

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

क्रीडा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सर्दर, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोलनरी, आर्थोपेडिस, न्यूरो रिविब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, नॉईट लिसेसमेंट, आईसीयू माइब्रुल ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वगै..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सी. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 17 अक्टूबर 2026

दिन - शनिवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 261

मूल्य - 5 रुपये

7Years

IN HEALTH, HOP & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपजन भारत योजना (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहर

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोड़ा

परसवाड़ा की धरती अब पुकार रही रामेश्वर कटरे को..

19 साल से समाजसेवा में सक्रिय रामेश्वर ने साबित किया उन्हें क्षेत्र और जनता की वास्तव में चिंता है..

भाजपा और क्षेत्र के समर्पित, विनम्र एवं विकास की सोच पर समर्पित युवा नेता रामेश्वर कटरे के जन्मदिन पर विशेष..

जगप्रेरणा परसवाड़ा। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले को भले ही प्रकृति ने वन, खनिज संपदा से धनवान बना कर रखा, अनेक कल कल करती नदियां और वनों और खनिज के भंडारण के दम पर बालाघाट जिले के जनप्रतिनिधि चाहते तो बालाघाट का अनेक महानगरों से कहीं अधिक विकास हो गया होता, लेकिन जहां पुरा बालाघाट जिला आवश्यक विकास के लिये आज भी जुझ रहा है, वहीं बालाघाट जिले के बैहर और परसवाड़ा दो विधानसभा क्षेत्र तो ऐसे हैं, जहां आजादी के 70 साल बाद भी आज भी क्षेत्र की जनता आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और बेहतर शिक्षा से भी वंचित है।

बालाघाट जिले के परसवाड़ा और बैहर विधानसभा क्षेत्र की आज भी स्थितियां ऐसी हैं कि पीने के लिये स्वच्छ पानी, चिकित्सा केंद्रों में डॉक्टरों की गैर मौजूदगी, स्कूलों के भवन से लेकर शिक्षकों का अभाव, खेल एवं अन्य संसाधनों की कमी से जुझते हुए तथा घंटिया सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों को सहन करते हुए इन क्षेत्रों के नागरिक जीवन जीने के लिये मजबूर हैं, तथा बैहर और परसवाड़ा की तकदीर इसलिये भी नहीं बदल पा रही है कि जिले के आदिवासी बहुल इन क्षेत्रों को जिन भी जनप्रतिनिधियों का नेतृत्व मिला, उन्होंने सिर्फ सच्चाई दिखाये, लेकिन हकीकत में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संघर्ष नहीं किया, इसका परिणाम है कि परसवाड़ा और बैहर की बदहाली दूर ही नहीं हो पाई है, लेकिन अब परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनता की नजरों में नई उम्मीद बनकर उभर रहे हैं युवा जुझारू और संवेदनशील नेता रामेश्वर कटरे, जिनके अंदर जहां स्वभावगत अनेक खूबियां हैं तो वहीं रामेश्वर कटरे ने निरंतर 19 वर्षों से लगातार जनसेवा में सबसे अग्रणी रहकर यह साबित किया है कि उन्हें अपने क्षेत्र के जरूरतमंद हर एक नागरिक की चिंता है, और इसी चिंता के भावों को व्यक्त करते हुए बच्चों से लेकर बड़ों तक अपनी सेवा के साथ रामेश्वर कटरे क्षेत्र के एक अलग पहचान बनाई है और जन जन से जीवंत और पारिवारिक रिश्ता कायम किया है। रामेश्वर कटरे आज के ऐसे युवा नेता हैं जिनकी सेवाओं ने आम जनता को सोचने के लिये मजबूर कर दिया है, जिसका प्रतिफल है कि अब परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की धरती बदलाव के बयार के साथ सच्चे जनप्रतिनिधि के रूप में रामेश्वर कटरे को पुकार रही है। रामेश्वर कटरे को क्षेत्र की जनता अब भावी विधायक के रूप में देखने लगी है।

संक्षिप्त जीवन परिचय..

गौरतलब है कि रामेश्वर धरमलाल कटरे बालाघाट जिले के परसवाड़ा-बैहर क्षेत्र में परसवाड़ा अंतर्गत वनांचल ग्राम चीनी के एक सामान्य किसान परिवार में जन्मे हैं, तथा परसवाड़ा बैहर अंचल में प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल तथा कॉलेजी की शिक्षा प्राप्त करते हुए रामेश्वर कटरे क्षेत्र के एक एक गांव और हर गली से परिचित है। अपने बाल्यकाल से चूंकि रामेश्वर कटरे ने अपने क्षेत्र की जनता की विभिन्न परेशानियों को करीब से देखा है, और देख रहे हैं तथा रामेश्वर कटरे ने यह भी समझा कि चूंकि आम जनता के साथ अनेक जनप्रतिनिधियों ने छलावा करने का काम किया है, इसलिये रामेश्वर कटरे ने क्षेत्र की तकदीर बदलने के लिये अपने जीवन का समर्पित कर दिया है।

शिक्षा के लिए निः शुल्क लाइब्रेरी की पहल...

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकताओं को भले ही-बुझ रहे हुए

जनप्रतिनिधियों ने नहीं समझा, लेकिन क्षेत्र के बच्चे के रूप में रामेश्वर कटरे ने इस आवश्यकता को समझा और इसी उद्देश्य से रामेश्वर कटरे ने पहल करते हुए परसवाड़ा और बैहर में 'मेरी अभिव्यक्ति, मेरी लाइब्रेरी' नाम से पुस्तकालयों के संचालन और विकास के लिए प्रयास किए। इन पुस्तकालयों की स्थापना तथा विद्यार्थियों को सुविधा उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को अध्ययन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनभागीदारी, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और सहयोगियों को जोड़ने की पहल भी रामेश्वर कटरे द्वारा जरूर की गई।

लाइब्रेरी की स्थापना में फिल्म जगत के बड़े कलाकार रणदीप हुड्डा हुए शामिल..

गौरतलब है कि तहसील बैहर में लाइब्रेरी के स्थापना के पश्चात अवसर पर बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा भी शामिल हुए थे और खुले मन से उन्होंने रामेश्वर कटरे के प्रयासों की प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार, इस अभियान से खुद को जोड़ते हुए लाइब्रेरी के लिए स्वयं करीब 2 लाख रुपये का सहयोग रणदीप हुड्डा ने भी दिया था और टीम का हौसला बढ़ाया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकों और अध्ययन सामग्री से जोड़ना तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को हर विषय की पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री खरीदने में कठिनाई होती है। ऐसे में सामुदायिक सहयोग से संचालित लाइब्रेरी उन्हें अध्ययन का अवसर देते हैं। परसवाड़ा और बैहर में लाइब्रेरी के संचालन से जुड़ी पहल को उनके द्वारा इसी दिशा में किए गए प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। रामेश्वर कटरे अन्य अनेक ग्रामों में भी लाइब्रेरी की स्थापना के लिये प्रयासरत हैं।

15 हजार बच्चों को छाते, करीब 5 हजार को शैक्षणिक सामग्री..

गौरतलब है कि बच्चों को शिक्षा के लिये प्रेरित करने वाला कार्यक्रम चलाते हुए रामेश्वर कटरे ने क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्कूलों में पहुंचकर विगत 19 वर्षों से लगातार अब तक करीब 15 हजार बच्चों को छाते वितरित करने का रिकार्ड बनाया है। इसके अलावा लगभग 5 हजार बच्चों को कॉपी, पेन, स्कूल बैग, जूते, ड्रेस और अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य रामेश्वर कटरे ने किया है। यहां उल्लेखनीय है कि बारिश के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को स्कूल आने-जाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। छाते उपलब्ध कराने से उन्हें सुविधा मिली। इसी प्रकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई से संबंधित आर्थिक मदद करने का कार्य भी रामेश्वर कटरे निरंतर वर्षों से कर रहे हैं।

मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, प्रतिभाओं को सम्मान..

ज्ञात हो कि शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को

प्रोत्साहित करने छात्रवृत्ति और सम्मान की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रामेश्वर कटरे द्वार पंचार समाज के वार्षिक शारद महोत्सव में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'भाऊ छात्रवृत्ति सम्मान निधि' के अंतर्गत प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। इस तरह की पहल से विद्यार्थियों को पढ़ाई में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

कन्या छात्रावास बैहर की छात्राओं से एक दशक से जुड़ाव..

इसी प्रकार वनांचल की बालिकाओं की शिक्षा और उनके विकास को लेकर भी रामेश्वर कटरे के प्रयास देखने को मिलते हैं। रामेश्वर बैहर के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास की छात्राओं के साथ पिछले करीब दस वर्षों से जुड़े हैं और उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में हमेशा सहभागिता करते रहे हैं। छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी जरूरतों को समझना भी महत्वपूर्ण है। इस दिशा में छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु उनके द्वारा अपनी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय आने वाली सभी बेटियांओ को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के भाव से उनकी का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना, उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग देना उनके आत्मविश्वास को मजबूत करने में सहायक हो सकता है। यही प्रयास वह दशकों से करते आ रहे हैं।

10 हजार से अधिक बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे, 1100 से ज्यादा बुजुर्गों का ऑपरेशन में सहयोग

स्वास्थ्य के क्षेत्र में रामेश्वर कटरे ने बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराने और मोतियाबिंद ऑपरेशन में सहयोग करने का प्रयास भी जिले के सामाजिक कार्यों में बेहतरीन उदाहरण है। सोशल मीडिया पोस्ट से मिली जानकारी अनुसार, 10 हजार से अधिक बुजुर्गों को उनके द्वारा निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए, जबकि 1100 से अधिक लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन में सहयोग किया गया है। आंखों की रोशनी कमजोर होने से बुजुर्गों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। उन्हें चलने-फिरने, पढ़ने और सामान्य कामकाज करने में कठिनाई होती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में आंखों की जांच, चश्मे और ऑपरेशन का खर्च उठाना कई बार मुश्किल होता है। ऐसे में चश्मे उपलब्ध कराने और ऑपरेशन में सहयोग करने के रामेश्वर कटरे का प्रयासों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को उपचार की सुविधा तक पहुंचने में मदद देना रहा है।

बैगा बहुल वनांचल तक पहुंचाई सहायता, मच्छरदानी कपड़ों व अन्य सामग्री का वितरण

वर्तमान समय में बालाघाट जिले का दक्षिण बैहर जिसकी चर्चा पूरे देश और प्रदेश में हो रही है। जिसका प्रमुख का कारण वहां पर संक्रामक बिमारी के रूप में आपदा का दौर आया जिस भयावह दौर में समय से पूर्व ही समय पूर्व हमारे बीच से चले गए। ऐसे स्थित में उनके द्वारा दुखी पश्चिमार द्वारा जनजागृति चलाई गई ताकी ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। यहां कई गांव ऐसे हैं, जहां रहने वाले परिवारों को बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचना और उनकी आवश्यकताओं को समझना सामाजिक कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगस्त 2026 में दक्षिण बैहर के बैगा बहुल क्षेत्र के कोंडेकशा, मातला, कोरका बोंदारी, कोहनीमोर आदि गांव में जरूरतमंद परिवारों को रामेश्वर कटरे और साथियों द्वारा राहत व सहायता सामग्री वितरित किए जाने संबंधी समाचार प्रकाशित हुआ था। इसमें सभी परिवारों को मच्छरदानियां तथा बुजुर्ग महिला को 16 हाथ साड़ी, बच्चों को कपड़े, साबुन टिकिया और चप्पल आदि उपलब्ध कराने का उल्लेख था। जिससे उनकी सेवा भाव का स्पष्ट प्रमाण और जिले में बेहतर उदाहरण मिलता है।

जनजातीय मंत्री कुंवर विजय शाह ने की जब रामेश्वर कटरे की सेवाओं की सराहना..

गौरतलब है कि बैगा बाहुल्य क्षेत्र में विगत दिनों तक प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह भी पहुंचे, तो उन्होंने धरातल पर निरंतर किये जा रहे रामेश्वर कटरे के प्रयासों को भी देखा और उनके प्रयासों की सराहना की। ज्ञात हो कि सितंबर 2026 में दक्षिण बैहर के कुछ क्षेत्रों में प्रभावित बच्चों के उपचार के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों में भोजन व्यवस्था के लिए राशन सामग्री उपलब्ध कराने का उल्लेखनीय कार्य भी रामेश्वर कटरे ने विगत दिनों बड़ चढ़कर किया।

विवाह में उपहारों के बजाय आशीर्वाद को दिया महत्व

रामेश्वर कटरे के सामाजिक जीवन से जुड़ा एक प्रसंग उनके विवाह का भी है। सामान्य तौर पर विवाह के अवसर पर नवदंपती को उपहार, वस्त्र, नकद राशि या अन्य भेंट देने की परंपरा है। लेकिन रामेश्वर कटरे ने अपने विवाह के दौरान समुदाय पक्ष से उपहार नहीं लाने की अपील की थी। उन्होंने इस अपील से उन्होंने समाज को संदेश देने का प्रयास किया कि भौतिक उपहारों के बजाय लोगों के स्नेह, शुभकामनाओं और आशीर्वाद अधिक महत्वपूर्ण है। इस अपील के माध्यम से उन्होंने सादगी और सामाजिक संबंधों में भावनाओं के महत्व का संदेश देने का प्रयास किया। व्यक्तिगत खुशी के अवसर पर भी सामाजिक मूल्यों को महत्व देना इस प्रसंग की खास बात रही।

कबड्डी और वॉलीबॉल के प्रति रुचि, ग्रामीण खिलाड़ियों को प्रोत्साहन..

शिक्षा और स्वास्थ्य के अलावा ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना भी रामेश्वर कटरे की सामाजिक गतिविधियों में शामिल रहा है। वे परसवाड़ा क्षेत्र में कबड्डी और वॉलीबॉल जैसे पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए पिछले कई वर्षों से प्रयासरत हैं। स्वयं अग्रणी होकर वे इन खेलों में ग्रामीण क्षेत्रों में इन खेलों की मजबूत परंपरा रही है। स्थानीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। खेलों से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उनके प्रयासों भी वह लगातार करते हैं।

रामनवमी पर्व पर लगातार 15 वर्षों से भंडारे का आयोजन..

धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सहभागिता भी रामेश्वर कटरे के सार्वजनिक जीवन का हिस्सा रही है। बैहर स्थित पंचार समाज के राष्ट्रीय तीर्थ स्थल राम मंदिर ट्रस्ट, सिंहद्वार में रामनवमी के अवसर पर पिछले करीब 15 वर्षों से लगातार उनके द्वारा स्वयं के व्यय पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें पंचार समाज के साथ साथ सभी जाति वर्ग के लोग भंडारे में शामिल होकर भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं। रामेश्वर कटरे का मानना है कि ऐसे धार्मिक आयोजन लोगों को एक साथ जोड़ने और सामुदायिक सहयोग की भावना मजबूत करने का माध्यम भी बनते हैं।

कोरोना काल में खुद कोरोना मे बीमार होने के बावजूद सेवा में जुटे रहे रामेश्वर..

कोरोना संक्रमण के कठिन दौर में जब परसवाड़ा और बैहर क्षेत्र के लोग ऑक्सीजन की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की चुनौतियों से जुझ रहे थे, उस समय रामेश्वर कटरे ने सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। स्वयं और परिवार के सदस्यों के बीमार होने के बावजूद उन्होंने क्षेत्र के कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद के लिए प्रयास जारी रखे। उस दौर में ऑक्सीजन सिलेंडरों की उपलब्धता मरीजों और उनके परिजनों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी। ऐसे मुश्किल समय में रामेश्वर कटरे ने स्वयं पहल करते हुए कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए क्षेत्र में पहली ऑक्सीजन मशीन दान की इसके उपरांत उनके द्वारा मार्मिक अपील की गई जिससे लोगों ने प्रभावित होकर के इस मुश्किल दौर में एक टीम के रूप के कार्य किया और कोरोना जैसे भीषण महामारी पर अपने क्षेत्र में विजयी प्राप्त की। साथ ही इस मुश्किल दौर में जब स्वस्थ लोग अपने ही परिवार के दुसरे लोगों से मिलने पर डर रहे थे। उस विषय परिस्थिति में लोगों ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए रक्तदान शिविर में रक्तदान किया और जरूरतमंदों की मदद की।

स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों को राहत देने के प्रयास

रामेश्वर कटरे द्वारा समय समय पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर भी आम लोगों को राहत देने का कार्य लगातार किया जाता रहा है। इसी का पहला प्रयास उनके द्वारा 1 अप्रैल 2018 में नि शुल्क शिविर लगाकर किया गया जिसमें करीब 4800 लोगों की जांच कर उन्हें उपचार और स्वास्थ्य लाभ दिलाने का कार्य किया गया था जिसकी चर्चाआज भी परसवाड़ा क्षेत्र ग्रामीणों में होती है। वर्तमान में भी जगह जगह स्वास्थ्य शिविर लगाकर रक्तदान, लोगों का ईलाज आदि का प्रयास लगातार किया जाता है।

बैहर में की थी वाचनालय की स्थापना

ज्ञात हो कि सन् 2010 में भी रामेश्वर कटरे द्वारा बैहर में विशाल सीनियर सिटीजन सम्मान समारोह आयोजित कराया गया था जिसमें बुजुर्गों को हर क्षेत्र में सेवाएं देकर, सेवानिवृत्त बुजुर्गों का सम्मान किया गया था। साथ ही साथ इन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर के बड़े वाचनालय की स्थापना बैहर के जय स्तंभ चौक स्थित अंबेडकर पार्क में की थी जिसमें कैरम खेलने से लेकर के किताबें पढ़ने तक की व्यवस्था वाचनालय में बुजुर्गों के लिए की गई थी। हालांकि 4-5 इसका वर्षों उपरांत इसका संचालन नियमित नहीं हो पाया। लेकिन यह इस बात का प्रमाण आज से 16 वर्ष पूर्व रामेश्वर कटरे अपनी टीम के साथ इतनी कम उम्र में भी समाज को प्रेरणादायी दिशा देने के लिए आज तक लगातार अग्रसर हैं।

अन्ना आंदोलन से सार्वजनिक जीवन में प्रमुख पहचान बनी

वर्ष 2011 में अन्ना हजारों के आंदोलन जिसकी गुंज पूरे देश में थी अपने इस आंदोलन के दौरान वनांचल बैहर क्षेत्र के लोगों को जागरूक कर उनके नेतृत्व में उस समय तक का बैहर क्षेत्र का साथ मिलकर के बड़े वाचनालय उनके नेतृत्व में किया गया। जो आंदोलन ने बड़ी पहचान और लोगों के दिलों में उनकी पहचान बनाया जिसकी गुंज आज भी क्षेत्र में सुनाई देती है।

अटल जी के संदेशों को जन जन तक पहुंचाया

गौरतलब है कि रामेश्वर कटरे ने अपने सभी नेत्र शिविर का नाम अटल ज्योति योजना के नाम से चलाया। वहीं गांव गांव के विद्यालयों में पहुंचकर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को कापियों का वितरण करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के संदेशों को गांव गांव के जन जन तक पहुंचाने का प्रयास इनके द्वारा किए गए।

माजपा युवा मोर्चा में भी मिली जिम्मेदारी

वर्ष 2012 में भाजपा युवा मोर्चा में जिला कोषाध्यक्ष और वर्ष 2017 में भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री की जिम्मेदारी रामेश्वर कटरे को दी गई। संगठनात्मक गतिविधियों के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी भी बनी रही। अपनी स्वच्छ छवी और समाजसेवी व्यक्तित्व की बदौलत रामेश्वर संठनात्मक गतिविधियों के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदार नजर आते हैं, जिसका प्रतिफल रहा कि वर्ष 2018 और 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले सर्वे में सबसे लोकप्रिय संभावित चेहरों में भी शामिल किया गया। आज भी क्षेत्र में अपनी साफ बेदाग और प्रभावशाली छबी के चलते परसवाड़ा के नामचीन नेताओं में रामेश्वर कटरे का नाम लिया जाता है। गौरतलब है कि रामेश्वर कटरे ने अपने छोटी सी उम्र से बड़ी सेवाएं कर दिखाई है, तथा उनके अंदर जो सेवा की प्रबल भावनाएं नजर आती है, उससे अब क्षेत्र की जनता रामेश्वर कटरे को भावी जनप्रतिनिधि के रूप में देख रही है। जगप्रेरणा परिवार युवा नेता रामेश्वर कटरे को जनसेवा की मशाल को थाम निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं प्रदान करता है।

+ CMYK

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई



संक्षिप्त समाचार..

वनरक्षक मर्ती के चलते 22 से 24 अक्टूबर तक रेंजर कालेज परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वनरक्षक भर्ती 2026 के अंतर्गत बालाघाट स्थित वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय (रेंजर कालेज)परिसर में 23 अक्टूबर को अभिलेख परीक्षण एवं शारीरिक माप परीक्षण आयोजित किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के सुचारु संचालन और अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक महाविद्यालय परिसर एवं परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग पर आमजन का प्रवेश और आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। भर्ती प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, अभ्यर्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। निर्धारित अवधि में परिसर में अतिरिक्त प्रवेश करने और प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग करने से बचने की अपील की गई है। प्रशासन ने आम नागरिकों से भर्ती प्रक्रिया के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन में सहयोग करने तथा जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। इस दौरान नागरिकों से प्रतिबंधित मार्ग के स्थान पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि भर्ती प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो सके।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की छापामार कार्रवाई, चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

जगप्रेरणा बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने और प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए खनिज विभाग द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान बालाघाट एवं लामता तहसील के विभिन्न ग्रामों में रेत का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया गया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि तहसील बालाघाट के ग्राम कोसमी एवं भमोड़ी में जांच के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। विभागीय अमले ने दोनों वाहनों को जब्त कर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा बालाघाट की अभिरक्षा में रखा है। इसी प्रकार, तहसील लामता के ग्राम डोंगरबोड़ी में वाहन क्रमांक रूकू50८-1333 तथा ग्राम लामता में वाहन क्रमांक रूकू50८-4663 को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना लामता की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जब्त किए गए चारों वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

मिट्टी शिल्पकारों को हाट-बाजारों और मेलों में मिलेगी निःशुल्क जगह..

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड ने पारंपरिक मिट्टी शिल्प को बढ़ावा देने और मिट्टी के उत्पाद बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत जिले के पारंपरिक मिट्टी शिल्पकारों एवं कारीगरों को स्थानीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट-बाजारों तथा मेलों में मिट्टी से निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उनसे किसी भी प्रकार का शुल्क या कर नहीं लिया जाएगा। मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड, भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से पारंपरिक मिट्टी शिल्पकारों द्वारा तैयार मिट्टी की मूर्तियां, दीयों और अन्य सजावटी उत्पादों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के पालन में जिले के संबंधित अधिकारियों से कहा गया है कि मिट्टी शिल्प से जुड़े कारीगरों को हाट-बाजारों एवं मेलों में निशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपने उत्पादों का आसानी से विक्रय कर सकें। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य जिले के पारंपरिक मिट्टी शिल्प से जुड़े शिल्पकारों एवं कारीगरों की कला को संरक्षित करना और उसे प्रोत्साहित करना है। हाट-बाजारों एवं मेलों में बिना किसी शुल्क के स्थान उपलब्ध होने से कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री के बेहतर अवसर मिलेंगे। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ पारंपरिक मिट्टी शिल्प को भी नई पहचान मिलेगी। माटीकला बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों एवं संबंधित आयोजकों से अपेक्षा की गई है कि वे मिट्टी शिल्पकारों को निर्धारित हाट-बाजारों और मेलों में उचित स्थान उपलब्ध कराएं तथा उनसे किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं वसूलें। यह पहल पारंपरिक कुम्हारों और मिट्टी शिल्पकारों को प्रोत्साहन देने, उनकी आजीविका को बेहतर बनाने तथा स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित

जगप्रेरणा बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशित के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के माध्यम से निर्धारित अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची को अद्यतन किया जाएगा। संपूर्ण प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सारणी के अनुसार संपन्न होगी।

बैहर के ग्राम जाल्दा में बाल विवाह की सूचना पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, परिवारों को दी समझाइश

जगप्रेरणा बैहर। **ग्राम जाल्दा में नाबालिग के विवाह की सूचना मिलने पर वन स्टॉप सेंटर बैहर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। टीम ने संबंधित परिवारों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम,**

2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए निर्धारित कानूनी आयु से पहले विवाह नहीं करने की समझाइश दी। जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 को ग्राम जाल्दा में लड़के के घर पर सगाई का कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सूचना प्रशासन को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही वन स्टॉप सेंटर बैहर की केस वर्कर श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े तथा पुलिस चौकी बिठली से भगत सिंह कुंजाम, सोहन टेकाम एवं ताश राम परते की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची टीम ने दोनों परिवारों से चर्चा कर मामले की जानकारी ली और संबंधित बालक-बालिका के दस्तावेजों का

इस कार्रवाई का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम, बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और समाज में कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बच्चों के सुस्थित भविष्य के लिए परिवारों का जागरूक होना और कानून का पालन करना आवश्यक है।

गेहूं का अवैध परिवहन करते मंडी

समिति ने वसूला 79,375 रुपये जुर्माना..

बालाघाट मंडी के उड़नदस्ता दल की कार्रवाई, 350 विक्टल गेहूं ले जाया जा रहा था विशाखापट्टनम

जगप्रेरणा बालाघाट। कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के उड़नदस्ता दल ने मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान गेहूं का अवैध परिवहन करते हुए एक वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की। वाहन में 350 क्विंटल गेहूं का परिवहन किया जा रहा था। मंडी समिति ने मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरण में 79 हजार 375 रुपये का जुर्माना वसूल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के उड़नदस्ता दल ने मंडी क्षेत्र में निरीक्षण किया। इस दौरान वाहन क्रमांक छत्र04हृक़1 329 में 350 क्विंटल गेहूं का परिवहन किया जा रहा था। यह गेहूं फर्म दीपांशु साहु, केवलारी से विशाखापट्टनम ले जाया जा रहा था।

धान का अवैध परिवहन करते दो वाहन पकड़े, वसूला 34,829 रुपये जुर्माना..

जगप्रेरणा बालाघाट। कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के उड़नदस्ता दल ने धान के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को पकड़ा। दोनों वाहनों में कुल 121.70 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। मंडी समिति ने मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 34 हजार 829 रुपये का जुर्माना वसूल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 को रात्रि लगभग 11 बजे मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान उड़नदस्ता दल ने वाहन क्रमांक रू॥09धरू3248 में 59.90 क्विंटल तथा वाहन क्रमांक रू॥09धरू3248 में 59.90 क्विंटल धान का परिवहन करते पाया। यह धान कान्हा राइस मिल, मंडल से सोलंकी, परबोर्लिंग, गोँडिया ले जाया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान अधिसूचित कृषि उपज के अवैध परिवहन का मामला सामने आने पर दोनों वाहनों के विरुद्ध प्रकरण तैयार किया गया। यह कार्रवाई भारसाधक अधिकारी एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी तथा मंडी सचिव श्री उत्तम प्रसाद नादौनिया के मार्गदर्शन में की गई। मंडी उड़नदस्ता दल ने मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों के प्रकरणों में कुल 34,829 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की।

कार्रवाई के दौरान मंडी सचिव श्री उत्तम प्रसाद नादौनिया, मंडी निरीक्षक श्री भानेश्वर तुक्कर एवं श्री भीमेंद्र कुमार चौधरी, उपनिरीक्षक श्री जीवन सिंह कुशरे एवं श्री पवन इनवाती तथा सहायक ग्रेड-3 श्री प्रकाश सोनवाने उपस्थित रहे। मंडी समिति द्वारा मंडी क्षेत्र में अधिसूचित कृषि उपज के अवैध परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है। उड़नदस्ता दल ने निरीक्षण के दौरान नियमानुसार कार्रवाई कर मंडी नियमों के पालन का संदेश दिया।



सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर

कलेक्टर आदित्य सिंह ने दिये नियमों के पालन और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश..

सीएम हेलपलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने की मीकिया प्रेरित..

जगप्रेरणा बालाघाट। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय कार्यों में समय-सीमा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेलपलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका समाधान करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जनसुनवाई में अपनी समस्याएं लेकर आने वाले लोगों के साथ अधिकारी संवेदनशीलता से व्यवहार करें। आवेदकों की समस्याओं को केवल औपचारिकता मानकर न लें, बल्कि उनके निराकरण के लिए गंभीरता से प्रयास करें। सीएम हेलपलाइन में प्राप्त शिकायतों को भी प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।



भ्रमण का उद्देश्य स्पष्ट रखें अधिकारी

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि फ़ैल्ड भ्रमण पर जाने से पहले उसके उद्देश्य को स्पष्ट रखें। अनावश्यक दौरे करने के बजाय ऐसे भ्रमण करें, जिनसे शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, मैदानी समस्याओं के समाधान और आमजन को मिलने वाली सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले का भौगोलिक क्षेत्र बड़ा है, इसलिए अधिकारियों को मैदानी क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति और जनसमस्याओं की जानकारी लेना आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पारदर्शी, निष्पक्ष और स्पष्ट कार्यप्रणाली अपनाने को कहा, ताकि आमजन को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। साथ ही निर्देश दिए कि समय-सीमा (टीएल) की बैठक में पिछले एक सप्ताह के कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की जाए, जिससे लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

टीम भावना से करें कार्य, ई-ऑफिस से भेजे फाइलें

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी एक टीम के रूप में कार्य करें तथा अपने पद के दायित्वों और कर्तव्यों को समझते हुए उनका जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों को गंभीरता से लेने और इनके माध्यम से नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय फाइलों का संचालन ई-ऑफिस के माध्यम से सुनिश्चित करें। निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का प्रभावी निराकरण, शासकीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन तथा नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना है।

खैरलांजी क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर

कलेक्टर आदित्य सिंह ने बच्चों के पोषण आहार, टीकाकरण, पेयजल संहित सभी व्यवस्थाओं पर दिया जोर

जगप्रेरणा बालाघाट। **मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत खैरलांजी में आयोजित जिला स्तरीय शिविर के दौरान कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने ग्राम खरखड़ी, खैरलांजी के घुसाईटोला, कचेखनी एवं घुबडगोंदी स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया।**

इस दौरान उन्होंने केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में दर्ज बच्चों की संख्या, उनकी उपस्थिति, सैम एवं मैम श्रेणी के कुपोषित बच्चों की संख्या, टीकाकरण की स्थिति तथा पंजीकृत गर्भवती एवं धात्री माताओं की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा जाए। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री की सूची तैयार कर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए।



आयुष्मान आरोग्य केंद्र और सह. समिति का भी किया निरीक्षण

आंगनवाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने ग्राम खरखड़ी स्थित आयुष्मान आरोग्य केंद्र एवं प्राथमिक कृषि सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि उचित मूल्य दुकान को सेल्समैन अस्वस्थ होने के कारण दुकान वर्तमान में बंद है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पास की अन्य उचित मूल्य दुकान से सेल्समैन की व्यवस्था कराई जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राशन वितरण में परेशानी न हो।

पेयजल के लिए तालाब गहरीकरण की बनेगी कार्ययोजना

ग्राम खरखड़ी में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान गमीं के दिनों में पेयजल की समस्या सामने आई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जलस्तर बढ़ने के लिए तालाब का गहरीकरण आवश्यक है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ग्राम पंचायत के साथ समन्वय कर तालाब गहरीकरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेंद्र सुंदरियाल, जनपद सीईओ श्री गायत्री कुमार सारथी, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री लंकेश उके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट में शेर ट्राफी लोकार्पित से एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ



शर्मा द्वारा संग्रहित की गई शेर ट्राफी को पुरातत्व संग्रहालय में संरक्षित, स्थायित्व हेतु श्रीयुत विजय वर्मा को शाल-श्रीफल, अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विचारों की क्रमबद्धानुसार अतिथियों ने इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट की निरंतर विकास की उपलब्धियों पर व्याख्यान प्रस्तुत कर रसास्वादन करवाया, भविष्य में पुरातत्व संग्रहालय को आकर्षित बनाने बखान किया। उक्त अवसर पर डॉ.संतोष कुमार स्वसेना, प्रो.एम.एन.बापट, डॉ.कुलदीप बिल्थरे, डॉ.सुभाष चंद्र गुप्ता, समीर सिंह गहरवार, राजेन्द्र कुमार बर्मह, बाबूलाल गामसे, कृष्णा कुमारी कंसरे, समता भलावी, बलिनन्दर चौहान, रवि सहारे, दिनेश कुमार नेमा, सूरज पिछड़े गणमान्य जनों आदि उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष ने किया। लोकार्पण कार्यक्रम अपराह्न 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलता रहा।

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

3

शनिवार 17 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं की मृत्यु के मामले में, कांग्रेस ने भाजपा की प्रदेश व केंद्र सरकार पर उठाये सवाल..

जगप्रेरणा सिवनी। इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं की मृत्यु के मामले पर जिला कांग्रेस सिवनी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने कहा कि प्रदेश सरकार आगनवाडी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार एवं स्वास्थ्य जांच व अन्य प्राथमिकताओं के नाम पर करोड़ों खर्च कर रही है, उससे दोगुनी राशि मोदी सरकार स्वयं के प्रचार प्रसार में खर्च कर रही है यदि ऐसे में गर्भवती महिला को उचित पोषण की व्यवस्था सकार द्वारा की जाती तो, माँ की कोख में पल रहे बच्चे कुपोषण का शिकार नहीं होते।

प्रदेश की मोहन सरकार का स्वास्थ्य सुविधाओं पर कमजोर पकड़ और उदासीनता और घोर लापरवाही से जिले में गरीब आदिवासी परिवार को अपने नवनिहान बच्चों से हाथ धोना पड़ रहा है। जिले में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार जिला चिकित्सालय में विश्वास के साथ आता है कि अच्छे से अच्छा इलाज मिलेगा, सरकार गर्भस्त अवस्था से लेकर शिशु के जन्म तक गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार दिए जाने का वादा करती है। तो इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय सिवनी में इतने अधिक बच्चों की मृत्यु के पीछे किसकी लापरवाही है, सरकार को इसकी निष्पक्ष जांच करकर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए एवं पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाने की मांग राज्य सरकार से की। पत्रकारों



की मौत ने प्रदेश को गमगीन कर दिया है और प्रदेश की भाजपा सरकार स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर गंभीर नहीं है अब तक जिला चिकित्सालय सिवनी में नवजात शिशुओं की मौत के संबंधित चिकित्सक एवं कर्मचारियों पर कठोर कार्यवाही न होना इस बात का प्रमाण है। जिला कांग्रेस कमटी सिवनी के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने भी कहा कि संबंधितों की जवाबदेही तय किया जाना अति आवश्यक है ताकि ऐसी निर्मम घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। जिला कांग्रेस महासचिव शिव सनोडिया ने पत्रकार साथी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कालकवलित हुए नवजात शिशुओं के परिवारों से सम्पर्क स्थापित किया गया एवं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति जिला कांग्रेस परिवार की ओर से सहानुभूति प्रकट की गई एवं मृत नवजात शिशुओं की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि दी गई। श्री सनोडिया ने आगे कहा कि जिला कांग्रेस कमटी सिवनी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है जिले के हर गरीब परिवार के साथ न्याय के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े उपकरण कई महिनों से बंद पड़े हैं जिनकी खबर लेने वाले कोई भी जिम्मेदार नहीं है ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं पर विफल सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला को तत्काल अपने पद को छोड़ना चाहिये। जिला प्रभारी सोहन वाल्मीकि ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिवनी जिला चिकित्सालय की एसएनसीयू वार्ड में नवजात शिशुओं की मौत के मामले में ही नहीं बल्कि छिन्दवाड़ा और बालाघाट में हुई नवनिहलो

का प्रमाण है। जिला कांग्रेस कमटी सिवनी के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने भी कहा कि संबंधितों की जवाबदेही तय किया जाना अति आवश्यक है ताकि ऐसी निर्मम घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। जिला कांग्रेस महासचिव शिव सनोडिया ने पत्रकार साथी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कालकवलित हुए नवजात शिशुओं के परिवारों से सम्पर्क स्थापित किया गया एवं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति जिला कांग्रेस परिवार की ओर से सहानुभूति प्रकट की गई एवं मृत नवजात शिशुओं की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि दी गई। श्री सनोडिया ने आगे कहा कि जिला कांग्रेस कमटी सिवनी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है जिले के हर गरीब परिवार के साथ न्याय के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

पत्रकार वार्ता का संचालन प्रवक्ता राजकि अकील ने किया, पत्रकार वार्ता में जिला प्रवक्ता जेपीएस तिवारी, जिला पंचायत सदस्य तेजसिंह रघुवंशी, घनश्याम सनोडिया, श्रीमती चित्रा शरद बिसेन, श्रीमती दुलारी कुमरे, दुपेन्द्र लकी अम्रले, नितिन डेहरिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष तनवीर अहमद सहित पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

माता दिवाला खैरमाई मंदिर में 73 ज्योति कलश स्थापित, नवरात्र पर भक्तिमय हुआ माहौल..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा। शक्ति की आराधना, आस्था और भक्ति के महाकव शारदीय नवरात्र को लेकर माता दिवाला सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह और उल्लास का माहौल है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के आगमन के साथ ही नवरात्र पर्व की रौनक बढ़ गई है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ माता रानी की अगुवानी कर रहे हैं। वहीं, माता दिवाला स्थित खैरमाई मंदिर में विधि-विधान के साथ 73 ज्योति कलश एवं मनोकामना कलश स्थापित किए गए हैं। कलश स्थापना के साथ ही मंदिर में नवरात्र की धार्मिक गतिविधियों का शुभारंभ हुआ और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

लगभग 100 वर्षों से अधिक पुरानी है मंदिर की मान्यता..

माता दिवाला खैरमाई मंदिर की मान्यता लगभग 100 वर्षों से भी अधिक पुरानी बताई जाती है। यह मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां भक्त माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिलता है। इस वर्ष 73 ज्योति कलश एवं मनोकामना कलशों की स्थापना की गई है। श्रद्धालु इन कलशों के माध्यम से अपनी मनोकामनाओं



की पूर्ति, परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली के लिए माता रानी से प्रार्थना कर रहे हैं।

मंदिर में अनेक देवी-देवताओं के विराजमान होने की मान्यता

माता दिवाला स्थित खैरमाई मंदिर में खैरमाई माता के साथ ग्राम देवी, शीलता माता, मैली माई, खोखली माई, भैरो बाबा एवं बाघ देव की भी मान्यता है। इन देवी-देवताओं के प्रति क्षेत्र के लोगों की गहरी श्रद्धा है। श्रद्धालु धार्मिक अवसरों पर

मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं और परिवार की सुख-शांति तथा खुशहाली की कामना करते हैं। मंदिर से जुड़ी धार्मिक परंपराएं पीढ़ियों से लोगों की आस्था का हिस्सा बनी हुई हैं।

नवरात्र में प्रतिमाओं के आगमन से बड़ी रौनक..

शारदीय नवरात्र के प्रारंभ होते ही माता दिवाला सहित आसपास के क्षेत्रों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के आगमन का सिलसिला शुरू हो गया है। श्रद्धालु माता रानी की प्रतिमाओं को उत्साहपूर्वक पंडालों तक लेकर पहुंच रहे हैं। जयकारों के बीच प्रतिमाओं का स्वागत किया जा रहा है। पूजा समितियों द्वारा पंडालों को सजाने, विद्युत साज-सज्जा करने और धार्मिक आयोजनों की तैयारियों की जा रही है। इससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

नवरात्र के नौ दिनों तक श्रद्धालु मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर भक्ति में लीन रहेंगे। माता दिवाला खैरमाई मंदिर में 73 ज्योति कलश एवं मनोकामना कलशों की स्थापना और प्राचीन धार्मिक मान्यताओं के साथ नवरात्र पर्व का विशेष महत्व देखने को मिल रहा है। आस्था, परंपरा और भक्ति से जुड़ा यह पर्व क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

मिसरोद के निलंबित थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार को नौकरी से बर्खास्त करने अड़ा गोंड समाज..

सिवनी में राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा सिवनी। भोपाल के मिसरोद में पदस्थ निलंबित थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार द्वारा आदिवासी समाज के सम्मान सूचक शब्द 'जय जोहार' पर की गई अभद्र और जातिपूचक टिप्पणी को लेकर सिवनी जिले में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संवेदनशील मामले में गोंड समाज महासभा जिला कमटी सिवनी ने 15 अक्टूबर 2026 को महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस दौरान जिला अध्यक्ष चितोड़ सिंह कुशराम, युवा मोर्चा के स्वेतॉक उर्फतनु इनवाती सहित समाज के अन्य प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि 13 अक्टूबर

2026 से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उक्त अधिकारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे आदिवासी छात्रों के 'जय जोहार' उद्घोष करने पर उत्तेजित होकर उनके साथ बेहद अश्लील, अपमानजनक और असंवैधानिक भाषा का प्रयोग करते हुए दिख रहे हैं।

संगठन ने साफकिया है कि वे प्रशासन द्वारा की गई महज निलंबन की अस्थायी विभागीय कार्रवाई से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं और दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाकर ही दम लेंगे।

ज्ञापन के माध्यम से गोंड समाज महासभा ने राज्यपाल से पुरजोर मांग की है कि दोषी लोक सेवक रतन सिंह परिहार को मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से पूरी तरह बर्खास्त किया जाए। इसके साथ ही आदिवासी समाज को सरेआम अपमानित करने और मानसिक आघात पहुंचाने के जुर्म में उनके

खिलाफ SC/ST Act और भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर तुरंत गिरफ्तार किया जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संगठन ने शासकीय सेवाओं और विशेषकर पुलिस महकमे के कर्मचारियों को आदिवासियों की संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु अनिवार्य ट्रेनिंग देने तथा गौरवमयी प्रतीकों का अपमान करने वालों पर स्वतः कड़ा एक्शन लेने की स्थायी गाइडलाइन बनाने की मांग रखी है।

समाज ने साफ चेतावनी दी है कि 'जय जोहार' करोड़ों आदिवासियों की संस्कृति, गरिमा और आत्मसम्मान का प्रतीक है, इसलिए अगर समय रहते दोषी अधिकारी पर सख्त और स्थायी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई, तो पूरे प्रदेश का आदिवासी समाज और युवा अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

मदद करने रक्तदान किया।शिविर में एकत्रित मरीज से बीमार लोगों का उपचार हो सकेगा। मां काली सेवा समिति आष्टा के द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के पहल की लोग बड़ी प्रशंसा कर रहे है। मां काली सेवा समिति आष्टा के सदस्यों का मानना है मानव सेवा ही माथव सेवा है। इस अवसर पर बरघाट थाना प्रभारी मोहनशी बैस के द्वारा रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

में रक्तदान शिविर में समिति सदस्यों के अलावा क्षेत्रवासियों ने बड़ चढ़कर जरूरतमंद मरीजों की

मां काली मंदिर में दर्शन पूजन के लिए उमड़ रही श्रद्धालु की भीड़..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर बरघाट के आष्टा गांव में प्राचीन मंदिर मां काली के दरबार में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, देश, प्रदेश से देवी भक्त अपनी मनोकामना लेकर बड़ी संख्या पर पहुंच रहे हैं। शारदीय नवरात्र पर्व प्रारंभ होते ही धार्मिक गांव आष्टा मातारानी के जयकारो से गूंज उठा है, श्रद्धालु अल सुबह से देर रात तक हजारों की संख्या पर दर्शन के लिए पहुंचते हैं, मातारानी के दरबार में 796 कलश जगमगा रहे हैं, नौ दिनों तक जस भजन व देवी जगराता सहित अनेकों धार्मिक आयोजन हो रहे हैं।

भक्ति आराधना में डूबे श्रद्धालु..

शारदीय नवरात्र पर्व प्रारंभ होते ही मां काली के दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, मां काली का दरबार ज्योति कलश से जगमगा रहा है,



श्रद्धालु सुबह शाम आरती पूजन कर मां काली की आराधना कर रहे हैं, दरबार में वाद्ययंत्रों के साथ आरती की गूंज से देवी रूप धारण कर श्रद्धालु झूम नाच रहे हैं, श्रद्धालु शक्ति की भक्ति में लीन है। वहीं चहुओर मंदिर प्रांगण में आकर्षक विद्युत सजावट की गई है, पंचमी तिथि को मां काली के दरबार में रक्तदान शिविर एवं महाआरती का आयोजन किया गया, हजारों श्रद्धालु महाआरती में शामिल हुए।



महाआरती रही आकर्षण का केंद्र..

आष्टा स्थित प्राचीन मंदिर मां काली के दरबार में पंचमी तिथि गुरुवार शाम को महाआरती का आयोजन किया गया, दूरदराज से महिलाएं घर से आरती थाल सजाकर मातारानी के दरबार पहुंची, महाआरती में सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं। वाद्ययंत्रों के साथ हुई आरती पूजन से भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया। महाआरती में सैकड़ों महिलाएं ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर आरती पूजन किया महाआरती के पश्चात बालाघाट जिले के कटंगी का प्रसिद्ध शिव शक्ति जस भजन मंडल ने अपनी प्रस्तुति दी।

पलारी में एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग को लेकर उमड़ा जनसैलाब

डेढ़ सौ गांवों के ग्रामीणों ने निकाली पैदल रैली, रेलवे अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन..

रैक पॉइंट निर्माण सहित यात्री सुविधाओं की मांग, कार्रवाई नहीं होने पर रेल रोकों आंदोलन की चेतावनी..

जगप्रेरणा केवलारी।

पलारी रेलवे स्टेशन पर सभी एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 को क्षेत्र के करीब डेढ़ सौ गांवों के लगभग 2500 ग्रामीणों ने एवं समस्त व्यापारियों ने अपने सुबह से ही अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर एकजुट होकर आंदोलन किया। आंदोलन की खास बात यह रही कि इसके पीछे कोई प्रमुख नेता नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता स्वयं अपनी मांगों को लेकर नेतृत्व करती नजर आई।

ग्रामीणों ने एकजुटता के साथ अपनी आवाज बुलंद करते हुए रेलवे से पलारी क्षेत्र की लंबे समय से लंबित रेल सुविधाओं की मांग पूरी करने की अपील की। ग्रामीण माता दीवाला मंदिर, पलारी से पैदल रैली निकालते हुए उद्घोष के साथ रेलवे स्टेशन के समीप गंज वार्ड स्थित आंदोलन स्थल पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एकत्रित हुए और पलारी रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के नियमित ठहराव सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

आंदोलन स्थल पर पहुंचे रेलवे अधिकारी, सौंपा ज्ञापन..

आंदोलन स्थल पर दोपहर करीब 2 बजे नागपुर जोन के डीसीएम अनिल एल. नागले पहुंचे। उनके साथ तहसीलदार (राजस्व) भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन



के माध्यम से पलारी रेलवे स्टेशन पर सभी एक्सप्रेस ट्रेनों के नियमित स्टॉपेज की प्रमुख मांग रखी गई।

कृषि क्षेत्र के लिए सर्वसुविधा युक्त रैक पॉइंट की मांग..

क्षेत्र के लोगों ने पलारी रेलवे स्टेशन के समीप मालगाड़ियों से कृषि उपज एवं अन्य सामग्री की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए सर्वसुविधायुक्त रैक पॉइंट का निर्माण कराने की मांग भी उठाई। ग्रामीणों के अनुसार, कृषि उत्पादन के कारण पलारी क्षेत्र को 'मिनी पंजाब' के नाम से जाना जाता है। यहां बड़ी मात्रा में कृषि उपज की लोडिंग होती है, वहीं रासायनिक खाद, उर्वरक, सीमेंट सहित किसानों की दैनिक आवश्यकता की सामग्री की अनलोडिंग भी की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में व्यवस्थित रैक पॉइंट का निर्माण होने से किसानों एवं व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। साथ ही माल परिवहन को बढ़ावा मिलने से रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है।

प्लेटफॉर्म पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने की मांग..

ज्ञापन में पलारी रेलवे स्टेशन के दोनों प्लेटफॉर्म पर आवश्यक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही यात्रियों के आवागमन

के लिए बने अंडरग्राउंड पुल में पर्याप्त विद्युत रोशनी तथा शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई। अंडरग्राउंड पुल में सिवनी जिले के प्रमुख दर्शनीय स्थलों के चित्र लगाए जाने का सुझाव भी दिया गया, जिससे क्षेत्र की पहचान और पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार हो सके।

सांसद, विधायकों सहित 30 से अधिक संस्थाओं का समर्थन..

आंदोलन के दौरान रेल मंत्री भारत सरकार अश्विनी वैष्णव, बिलासपुर

जोन के महाप्रबंधक (जीएम) तथा नागपुर जोन के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को संबोधित पत्र भी ज्ञापन के साथ सौंपे गए। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की ओर से मंडला-सिवनी सांसद फगन सिंह कुलस्ते, सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मरसकोले, लखनादौन विधायक योगेंद्र सिंह बाबा तथा केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह के पत्र भी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों, शिक्षण संस्थाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों सहित 30 से अधिक संस्थाओं और संगठनों के समर्थन पत्र भी सौंपे गए। इससे पलारी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को व्यापक जनसमर्थन मिलने की बात सामने आई।

मांगें पूरी नहीं हुई तो होगा रेल रोकों आंदोलन..

आंदोलनकारियों ने रेलवे अधिकारियों से पलारी क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही रेल सुविधाओं की मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक एवं परिणामदायी कार्रवाई करने की अपील की। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो निकट भविष्य में रेल रोकों आंदोलन किया जाएगा।

इकलौते भाई की अर्थी को बहनों ने दिया कांथा, बड़ी बहन ने दी मुखाग्नि



जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।

सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा में एक भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया, जहां कवि पंडित रविशंकर शुक्ल उर्फ 'रवि विद्रोही' के निधन पर उनकी बहनों ने भाई की अर्थी को कांथा दिया। रवि विद्रोही अविवाहित थे और परिवार

में कोई अन्य पुरुष सदस्य नहीं होने के कारण बहनों ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई। कान्हीवाड़ा मोक्षधाम में बड़ी बहन रूखमणी शुक्ला ने अपने भाई को मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। इस मार्मिक दृश्य ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया।

सिवनी में जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें.. हसीब मोहम्मद 7898530101

उतराखंड के महामहिम राज्यपाल पहुंचे मां काली के दरबार, माथा टेका



जगप्रेरणा सिवनी।

उत्तराखंड प्रदेश के महामहिम राज्यपाल डॉ

डाल सिंह बिसेन शपथ ग्रहण करने राजभवन जाएंगे

जहां गोपनीयता की शपथ लेंगे। आष्टा पहुंचते ही क्षेत्रवासियों के चेहरों में अलग ही खुशी का नजारा देखने को मिला मां काली सेवा समिति के सदस्यों ने ढोल नगाड़ों के साथ महामहिम राज्यपाल डॉ डाल सिंह बिसेन का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

पुलिस की कड़ी सुरक्षा के मंदिर पहुंचे राज्यपाल, 19 अक्टूबर को विशेष विमान से उत्तराखंड देहरादून शपथ ग्रहण करने राजभवन जाएंगे जहां गोपनीयता की शपथ लेंगे। आष्टा पहुंचते ही क्षेत्रवासियों के चेहरों में अलग ही खुशी का नजारा देखने को मिला मां काली सेवा समिति के सदस्यों ने ढोल नगाड़ों के साथ महामहिम राज्यपाल डॉ डाल सिंह बिसेन का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

दिल्ली में काँजपा और छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया, करीब 150 लोग हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, (भाषा)।
हाथों में तिरंगा लेकर और ‘जय हिंद’ के नारे लगाते हुए काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के सैकड़ों समर्थकों और छात्र संगठनों के सदस्यों ने शुक्रवार शाम मध्य दिल्ली में कई स्थानों पर प्रदर्शन किए। पुलिस ने कनाॅट प्लेस में पार्टी के ‘लहरा दो तिरंगा’ मार्च की अनुमति नहीं दी थी।



काँजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा सहित करीब 150 प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। इन हिरासतों को लेकर विपक्ष ने तीखी आलोचना की, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने प्रदर्शन को युवाओं का इस्तेमाल कर ‘अराजकता’ फैलाने और सत्ता परिवर्तन की कोशिश करार दिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लेने के बाद दीपके को जाफ़पुर कलां थाने ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कनाॅट प्लेस के इनर सर्कल में मार्च किया। वे बीच-बीच में ‘जय हिंद’ के नारे लगाते रहे। इसके बाद वे अलग-अलग स्थानों पर तितर-बितर हुए और फिर एकत्र हुए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रगान भी गाया।

छात्रों और आइसा व एसएफआई के सदस्यों ने मंडी हाउस में प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित अधिनियम को वापस लेने की मांग की। सांसद जॉन बिट्टास और संतोष कुमार सहित वामपंथी नेताओं ने ‘डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया’ के साथ मिलकर इस मार्च में हिस्सा लिया।

प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिशों के दौरान पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच मामूली झड़पें भी हुईं। प्रदर्शनों की कवरेज के लिए पत्रकार और स्वतंत्र यूट्यूब रिपोर्टर भी मौके पर मौजूद थे। इस दौरान कुछ स्वतंत्र यूट्यूब पत्रकारों के साथ धक्का-मुक्की और हूटिंग की गई।

दिल्ली पुलिस ने दीपके और बोरा को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जाते समय एहतियातन हिरासत में ले लिया। काँजपा नेता कनाॅट प्लेस जा रहे थे, जबकि आइसा अध्यक्ष मंडी हाउस जा रही थीं। दीपके को झंडेवाला स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया, जबकि बोरा

को मंडी हाउस में हिरासत में लिया गया। इन हिरासतों के दौरान वहां मौजूद भीड़ और सुरक्षाकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस ने कनाॅट प्लेस पहुंच चुके प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लेना शुरू कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, «कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को हिरासत में लिया जा रहा है।» उन्होंने बताया कि अब तक करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्रदर्शनकारियों में मुंबई के डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय का 21 वर्षीय छात्र तक्ष भी शामिल था। उसने लाल रंग का लहंगा पहना हुआ था और एक तख्ती ले रखी थी, जिस पर लिखा था, «ज्ञानेश कुमार जल्दी इस्तीफा दो, शादी का मुहूर्त निकलता जा रहा है।» उसने बताया कि वह प्रदर्शन में शामिल होने के लिए एक महीने से दिल्ली में है और विश्वविद्यालय की कक्षाओं में ऑनलाइन शामिल हो रहा है।

तक्ष ने कहा, «मैंने दो हजार रुपये में लाल लहंगा खरीदा है।» प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर लिखा था, «एसआईआर बंद करो, वोट चोरी बंद करो», «मेरा वोट किसने हटया?» और «पुलिस की हिंसा कोई दुर्घटना नहीं है।» इससे पहले दिन में दिल्ली पुलिस के 20 से अधिक कर्मों दीपके के आवास पर पहुंचे थे और उन्हें एक नोटिस दिया था। नोटिस में उन्हें ऐसी किसी भी कार्रवाई से दूर रहने का निर्देश दिया गया था, जिससे नागरिकों, व्यापारियों, यात्रियों, मरीजों और अन्य लोगों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) ने राष्ट्रपति भवन के पास और मध्य दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय के बाहर तिरंगा मार्च निकाला। पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पंडित रविशंकर शुक्ला लेन स्थित कार्यालय के बाहर तिरंगा लेकर मार्च किया और ‘भारत माता की जय’ तथा ‘वंदे मातरम’ के नारे लगाए।

प्रदर्शनों की केंद्र सरकार ने तीखी आलोचना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिश करने

तथा युवाओं की ऊर्जा का इस्तेमाल ‘अराजकता’ फैलाने के लिए करने का आरोप लगाया। लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि लोकतंत्र किसी को भी अव्यवस्था फैलाने या संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने की अनुमति नहीं देता।

रक्षा मंत्री ने कहा, «ऐसा लगता है कि कांग्रेस और उसके राजनीतिक सहयोगी, सीधे तौर पर और अपने सहयोगी संगठनों के माध्यम से, युवाओं की ऊर्जा का इस्तेमाल राजनीतिक टकराव बढ़ाने और अराजकता फैलाने के लिए करना चाहते हैं। वे इस ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों और राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने के बजाय ऐसा कर रहे हैं।» उन्होंने कहा, «देश के युवाओं को अराजकता की राजनीति में मोहरा बनाया जा रहा है।» सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में सरकार बदलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, «वे संवाददाता सम्मेलनों में खुले तौर पर कहते हैं कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन के लिए बांग्लादेश से प्रेरणा ली है, जबकि एक अन्य व्यक्ति खुले तौर पर सरकार गिराने की बात करता है। इससे स्पष्ट है कि उनका एकमात्र एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म करना और देश में आग लगाना है।»

उनका संदर्भ 2024 में बांग्लादेश में हुए उस विद्रोह से था, जिसके कारण शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। पश्चिम बंगाल के मंत्री और भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि काँजपा ने त्योहारों के मौसम में राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित कर नवरात्र और दुर्गा पूजा समारोहों में बाधा डाली। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शनों से देश में तनाव पैदा हो रहा है।

विपक्षी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं ने ज्ञानेश कुमार का «बचाव» करने के लिए भाजपा की आलोचना की। उनकी यह प्रतिक्रिया राष्ट्रीय राजधानी में हुए प्रदर्शनों को लेकर सिंह की कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर की गई टिप्पणी के बाद आई।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख आरधना मिश्रा मोना ने कहा कि यदि भाजपा कुमार का बचाव करती है, तो वह भी इस मामले में उतनी ही दोषी होगी, जितने खुद मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। सपा की लोकसभा सदस्य इकरा हसन ने भाजपा पर «देश को लूटने और उसमें आग लगाने» का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, «अगर उन्हें इतनी बड़ी समस्या है, तो वे एक व्यक्ति को बचाने के लिए पूरे देश के युवाओं को परेशान क्यों कर रहे हैं? उन्हें उस व्यक्ति कुमार-का इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए।» पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दीपके की एहतियातन हिरासत की आलोचना करते हुए प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। उन्होंने इसे «अधोषित आपातकाल से कम नहीं» बताया।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, «अभिजीत दीपके को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हाथ में रखने के लिए हिरासत में लिया गया है। इस बात को समझिए। स्वतंत्र भारत में हमारे युवाओं को शांतिपूर्ण तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए हिरासत में लिया जा रहा है।»

प्रस्तावित मार्च से पहले कनाॅट प्लेस में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पुलिस ने सेंट्रल पार्क की घेराबंदी कर उसकी लोहे की रेलिंग के पास मानव श्रृंखला बनाई।

पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बोएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा का हवाला दिया जबकि एनडीएमसी ने शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रखा। इस धारा के तहत कनाॅट प्लेस और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्र होने पर रोक है।

दिल्ली यातायात पुलिस ने परामर्श जारी कर चेतावनी दी कि दोपहर तीन बजे के बाद कनाॅट प्लेस और आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ मार्गों से बचने की सलाह दी।

प्रदर्शनों और यातायात में बाधा के कारण व्यापारियों और कारोबारियों ने चिंता जताई। उनका कहना था कि व्यावसायिक इलाकों में बार-बार होने वाले प्रदर्शनों से त्योहारों के मौसम में बिक्री प्रभावित हो रही है।

नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के कोषाध्यक्ष मनप्रतीत सिंह ने कहा कि कनाॅट प्लेस और उसके आसपास बार-बार होने वाले प्रदर्शनों से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

फेडरेशन लाजपत नगर ट्रेड्स एसोसिएशन ने 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर हुए नुकसान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुआवजे की मांग की। एसोसिएशन ने त्योहारों के मौसम में प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की।

‘सत्ता परिवर्तन’ संबंधी टिप्पणी से विपक्ष का एजेंडा स्पष्ट रूप से उजागर होता है : नितिन नवीन..

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के ‘सत्ता परिवर्तन’ संबंधी बयान को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

नवीन ने आरोप लगाया कि यह टिप्पणी विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को अस्थिर करने के विपक्ष के ‘दुर्भावनापूर्ण एजेंडे’ को उजागर करती है। नवीन ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि विपक्ष की लड़ाई चुनाव सुधारों, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) या देश के युवाओं के भविष्य के लिए नहीं, बल्कि अराजकता फैलाकर किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने के लिए है।

उन्होंने कहा, “सत्ता परिवर्तन” (रिजिम चेंज) जैसे शब्दों के इस्तेमाल से विपक्ष का असली एजेंडा देश के सामने स्पष्ट रूप से उजागर हो गया है। विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को अस्थिर करने का यह कुत्सित प्रयास ‘अर्बन नक्सल’ के एजेंडे का ही हिस्सा है।”

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता का मार्ग जनान्देश से होकर गुजरता है, अराजकता से नहीं। उन्होंने कहा कि देश की जनता और भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देंगी।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच प्रशांत भूषण ने बृहस्पतिवार को ‘सत्ता परिवर्तन’ का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार के खिलाफ असंतोष पैदा करना लोकतंत्र में अपराध नहीं है और यह हर नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है।

भूषण ने यहां कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके, छात्र संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि फिलहाल उनका संघर्ष निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए है, लेकिन यदि इसी तरह की बर्बरता जारी रही तो सत्ता परिवर्तन निश्चित रूप से होगा। भूषण की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत भाजपा के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और लोगों से गुस्सा भड़काने के कथित प्रयासों के झांसे में नहीं आने की अपील की।

जोशी ने ‘एक्स’ पर कहा कि जिस तरह की बाहरी साजिशों ने लीबिया, नेपाल और बांग्लादेश को अस्थिर किया, वैसी ही कोशिश भारत की शांति भंग करने के लिए की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के गुस्से का इस्तेमाल अराजकता फैलाने और देश की विकास यात्रा को रोकने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से राजनीतिक साजिशों का हिस्सा बनने से बचने और स्थिरता तथा राष्ट्रीय प्रगति के साथ खड़े रहने की अपील की। असेम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भूषण के संवाददाता सम्मेलन का वीडियो साझा करते हुए ‘एक्स’ पर लिखा, “इन चेहरों को पहचानिए।”

उन्होंने आरोप लगाया कि जनान्देश हासिल करने में असफल राष्ट्रविरोधी ताकतें अब सड़कों के माध्यम से सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि देश के लोग मिलकर इन ताकतों का मुकाबला करेंगे और उनकी कथित राष्ट्रविरोधी योजनाओं का जवाब देंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी ‘एक्स’ पर कहा कि ‘सत्ता परिवर्तन’ शब्द का इस्तेमाल विदेशी तत्वों द्वारा अपने हितों के लिए निर्वाचित सरकारों को गिराने के प्रयासों के संदर्भ में किया जाता है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि युवाओं को समझना चाहिए कि कुछ महीने पहले परीक्षा प्रणाली और प्रवेश परीक्षाओं में सुधार की मांग के साथ शुरू हुआ आंदोलन अब राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कथित साजिश का हिस्सा बन गया है।

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

मनीष वर्मा

मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

एआई एजेंट की घटना शुरुआती चेतावनी, कोई बड़ा आर्थिक नुकसान नहीं : सीईआरटी-इन की चेतावनी पर सरकारी सूत्र

नई दिल्ली, (भाषा)।
स्वायत्त एआई एजेंटों को लेकर भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) की चेतावनी के बीच सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि सभी कंपनियों को साइबर सुरक्षा उपाय मजबूत करने और



गतिविधियां शामिल हैं। संगठनों को खतरों का पता लगाने और उनके जवाब में कार्रवाई स्वचालित करने के लिए मशीन लर्निंग आधारित उपकरण भी लगाने चाहिए। सरकारी सूत्रों ने कहा कि कंपनियों को साइबर सुरक्षा में निवेश करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल कंपनियां साइबर सुरक्षा के बुनियादी उपायों के पालन में गंभीर रूप से पीछे हैं।

में भी स्वायत्त एजेंटों से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की जा सकती है। इसके लिए पहलुओं पर जल्द जारी किए जाने की संभावना है।

सूत्रों ने कहा कि इस घटना में किसी महत्वपूर्ण संगठन को निशाना नहीं बनाया गया और न ही इससे कोई बड़ा वित्तीय नुकसान हुआ या किसी अहम जानकारी से समझौता हुआ। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि इस घटना ने मौजूदा कमजोरियों को उजागर किया है।

सूत्रों के मुताबिक, इसे शुरुआती चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए और कंपनियों को तत्काल साइबर सुरक्षा संबंधी बुनियादी उपाय बेहतर करने, उन्नत सुरक्षा उपकरणों में निवेश करने तथा वास्तविक समय में निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों को सदैवध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सुरक्षा संचालन केंद्रों का इस्तेमाल करना चाहिए। इनमें बार-बार लॉगिन करने की कोशिशों और असामान्य आईपी पत्तों से पहुंच बनाने जैसी

जयशंकर और रुबियो 20 अक्टूबर को मुंबई में करेंगे मुलाकात, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा पर होगी चर्चा..

नई दिल्ली, (भाषा)।
विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 20 अक्टूबर को मुंबई में मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ ऊर्जा, व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों और द्विपक्षीय सहयोग के अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से शुक्रवार को जब पाक्षिक प्रेस वार्ता के दौरान पूछा गया कि क्या जयशंकर भारत की आगामी यात्रा पर आ रहे रुबियो से मुलाकात करेंगे, बैठक का एजेंडा क्या होगा और इसके लिए मुंबई को क्यों चुना गया है।

उन्होंने कहा, “विदेश मंत्री 19 और 20 अक्टूबर, 2026 को मुंबई में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान की आधिकारिक यात्रा के दौरान उनकी मेजबानी करेंगे।

इसके बाद 20 अक्टूबर को विदेश मंत्री अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ वार्ता करेंगे और अमेरिका की आजादी की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।”

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि रुबियो की आगामी यात्रा दोनों पक्षों को भारत-अमेरिका संबंधों की समीक्षा करने और अमेरिका के साथ व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की और

मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर देगी।

उन्होंने कहा कि वार्ता में ऊर्जा, व्यापार, निवेश, रक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्ष क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, “यह यात्रा दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद जारी रखने और साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी।”

मुंबई में बैठक आयोजित किए जाने के सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले करीब एक दशक से दिल्ली के बाहर विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी करने की परंपरा रही है।

उन्होंने कहा, “कुछ उदाहरण दू तो प्रधानमंत्री ने वडोदरा में स्पेन के प्रधानमंत्री और अहमदाबाद में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मेजबानी की थी। उन्होंने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री की मेजबानी की थी।

विदेश मंत्री ने गोवा में विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की थी। उन्होंने गुजरात के केवडिया में बोटसवाना के विदेश मंत्री की मेजबानी की थी। विदेश मंत्री ने अमृतसर में ‘हार्ट ऑफ एशिया’ सम्मेलन की भी मेजबानी की थी।” उन्होंने कहा कि ये दिल्ली के बाहर आयोजित ऐसी बैठकों के कुछ उदाहरण हैं।

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बृहस्पतिवार को यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में एक संवाद सत्र के दौरान कहा था कि रुबियो मुंबई में भारत सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और “हमें उम्मीद है कि मंत्री डॉ. एस जयशंकर भी वहां मौजूद रहेंगे।”

गोर की इस टिप्पणी से ऑनलाइन हलचल

मच गई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी शुक्रवार को इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अगले सप्ताह मुंबई में रुबियो की भारतीय सरकार अधिकारियों के साथ प्रस्तावित बैठक को लेकर सरकार से सवाल किया था।

उन्होंने दावा किया था कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी इस मामले में “भ्रमित” हैं। राहुल ने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में स्पष्टीकरण देना चाहें तो दे सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि रुबियो दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे।

उसने बताया था कि रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17 से 22 अक्टूबर के बीच भारत में मुंबई और जामनगर का दौरा करेंगे।

गोर ने बृहस्पतिवार को यह भी कहा था कि रुबियो की आगामी भारत यात्रा का जोर कारोबार पर अधिक रहेगा। उन्होंने बताया था कि गुजरात के जामनगर की यात्रा के दौरान रुबियो रिलायंस के कुछ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्ष इस समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में पिछले दो दिनों में विदेश मंत्री और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की टिप्पणियों का भी उल्लेख किया।

जयशंकर ने इससे पहले ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के एक सत्र में कहा था कि प्रस्तावित समझौते पर मतभेद दूर करने के लिए दोनों पक्ष बातचीत जारी रखे हुए हैं और वार्ता अब “समझौते के अंतिम पड़ाव” की ओर बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के बुनियादी तत्व अपरिवर्तित हैं।

जहां सोने, चांदी, हीरे खनिज आपूर्तियों की हर कृति में निपटा है..

समय का स्पर्श और हर आभा में देश की गरिमा..

परंपरा और मरठों के 38 साल

शांति ज्वेलर्स..

नया सराफा, मेन रोड, बालाघाट



शक्ति से सृजन अभियान.. प्रकृति, संस्कृति से गांव होगा समृद्ध..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रकृति का संरक्षण, भारतीय संस्कृति का संवर्धन और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में ग्राम भिमोडी और

बेनेगांव में ‘शक्ति से सृजन’ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में प्रकृति पूजन, भजन-कीर्तन, मानस पाठ और देवी गीतों के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण और प्लास्टिक मुक्त नगरात्रि का संकल्प दिलाया गया। महिलाओं और ग्रामीणों

ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रकृति तथा संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक महेश पटले के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के मार्गदर्शन में 14 अक्टूबर 2026, बुधवार को नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी, सेक्टर क्रमांक-05 बोलेगांव तथा ग्राम विकास प्रस्पुटन समिति भिमोडी के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

भिमोडी में पीपल वृक्ष का पूजन कर प्रकृति संरक्षण का संदेश

ग्राम भिमोडी के बाजार चौक में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीपल वृक्ष का विधिवत पूजन किया गया। ग्राम की सरपंच चित्रेशा पुरुषोत्तम



अस्तने के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने भाग लेकर प्रकृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

इस अवसर पर नवांकुर सखी प्रकृति-संस्कृति संरक्षण अभियान के अंतर्गत भजन-कीर्तन, प्रकृति पूजन और मिट्टी सुपोषण पूजा की गई। साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर सामूहिक चर्चा कर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। वहीं नगरात्रि पर्व के दौरान प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प भी लिया गया।

इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक

संतोष नगपुरे, नवांकुर संस्था के सचिव रमेश आसटकर, ग्राम विकास प्रस्पुटन समिति भिमोडी के सचिव अशोक अस्तने, अध्यक्ष शंकरलाल झगराहे, पुरुषोत्तम अस्तने एवं देवनाथ कलपुरे सहित ग्राम की महिलाएं ज्योति शेण्डे, राजकुमारी कलपुरे, रेखा कलपुरे, झूलन बम्बुरे, शैलन बिलघैया और प्रेमलता कलपुरे उपस्थित रही।

बेनेगांव में मानस पाठ और देवी गीतों से मक्तिमय हुआ माहौल

इसी क्रम में ग्राम विकास प्रस्पुटन समिति बेनेगांव के तत्वावधान में दुर्गा चौक स्थित दुर्गा मंदिर में मानस पाठ एवं देवी गीतों का आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं

और नवांकुर सखियों ने सहभागिता की।

भजन-कीर्तन के साथ प्रकृति पूजन एवं मिट्टी सुपोषण के महत्व पर चर्चा की गई। इसके साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत बनाने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण और प्लास्टिक मुक्त नगरात्रि के लिए शपथ दिलाई गई। आयोजकों ने प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए ग्रामीणों से इन प्रयासों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्पुटन समिति बेनेगांव की अध्यक्ष रंजना बदरे, सचिव ज्योति शंकरपुडे, ग्राम के पूर्व सरपंच मेहतलाल बुढावने सहित ग्रामीणजन और नवांकुर सखियां मौजूद रहीं।

अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खेल मंत्रालय से मिलने वाली सहायता में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश में अंतरराष्ट्रीय खेल

प्रतियोगिताओं के आयोजन को बढ़ावा देने के लिए खेल मंत्रालय ने शुरुवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को 50 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया है।

मंत्रालय ने संशोधित राष्ट्रीय खेल महासंघ सहायता योजना (एएनएसएफ) के संचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी करते हुए यह घोषणा की। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए निर्धारित वित्तीय सहायता में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उच्च प्राथमिकता वाले खेलों के लिए 90 लाख रुपये की राशि बकजार रखी गई है। इसमें सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की प्रत्येक चैंपियनशिप के लिए 30-30 लाख रुपये दिए जाएंगे।

प्राथमिकता और सामान्य श्रेणी के खेलों के लिए 75 लाख रुपये का प्रावधान पहले की तरह जारी रहेगा। इसके तहत सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की प्रत्येक चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 25-25 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

इससे पहले अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए महासंघों को अधिकतम दो करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाती थी। इस योजना के तहत राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, अकादमियों में प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने के लिए वित्तीय मदद दी जाती है। इसके अलावा, विदेशी कोच, हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट, खेल वैज्ञानिकों तथा चिकित्सकों जैसे सहायक विशेषज्ञों की नियुक्ति में भी सहायता दी जाती है।

योजना में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से विदेश में अनुभव हासिल करने के अवसर उपलब्ध कराना, सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन, जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना, युवा खिलाड़ियों का विकास तथा राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रशासनिक कार्यों और सुशासन को मजबूत करना भी शामिल है।

मंत्रालय के अनुसार संशोधित दिशा-निर्देश भारत के दीर्घकालिक खेल दृष्टिकोण और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के साथ 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, “अब एनएसएफ को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं



की मेजबानी के लिए 50 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा सकेगी। सहायता राशि प्रतियोगिता के स्वरूप और महत्व के साथ-साथ उसमें भाग लेने वाले देशों और खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर तय की जाएगी। महासंघों की ओर से मिले प्रस्तावों का मूल्यांकन खेल सचिव की अध्यक्षता वाली एक नामित समिति करेगी।”

अधिकतम 50 करोड़ रुपये की सहायता उन खेलों के लिए दी जाएगी जिनमें भारत ने ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता हो या शीर्ष 10 में स्थान हासिल किया हो।

इसके लिए व्यक्तिगत स्पर्धाओं में प्रतियोगिता में कम से कम 50 देशों और 500 खिलाड़ियों की भागीदारी तथा टीम स्पर्धाओं में 12 से अधिक देशों और 200 खिलाड़ियों की भागीदारी आवश्यक होगी।

अगली श्रेणी में 20 करोड़ रुपये तक की सहायता का प्रावधान है। यह उन खेलों को मिलेगी, जिनमें भारत ने ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष 16 में जगह बनाई हो। इस श्रेणी में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में 50 से कम देशों और टीम स्पर्धाओं में 12 से कम देशों की भागीदारी वाली प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।

इसके अलावा स्वदेशी खेलों की विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए भी अधिकतम 20 करोड़ रुपये की सहायता दी जा सकेगी बशर्ते इसमें 50 से अधिक देशों के खिलाड़ी भाग लें।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई से कहा, “वित्तीय सहायता का आवंटन प्रतियोगिताओं के स्तर के आधार पर किया जा रहा है ताकि भारत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित हों। हम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के नाम पर घटिया स्तर के आयोजनों की अनुमति नहीं देना चाहते।”

भारत में आयोजित होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए अधिकतम तीन करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। सहायता राशि

संबंधित खेल में एशियाई खेलों के दौरान भारत के प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर तय होगी।

खेल मंत्रालय ने कहा, “राष्ट्रीय खेल महासंघों से प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए गठित समिति अपनी कार्यप्रणाली और प्रक्रिया स्वयं निर्धारित करेगी।”

इस योजना में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए भी 50 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इस राशि का इस्तेमाल खेल उपकरणों की व्यवस्था, ट्राईमिंग, स्कोरिंग एवं परिणाम (टीएसआर) सेवाओं, तकनीकी अधिकारियों के पारिश्रमिक और प्रतियोगिताओं के तकनीकी संचालन पर किया जा सकेगा। विदेश में प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों को राहत देते हुए खेल मंत्रालय ने भोजन के खर्च से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। अब प्रशिक्षण अवधि पूरी होने के बाद भोजन के बिलों में से प्रतिदिन 60 डॉलर तक की राशि को बिल प्रस्तुत करने की अनिवार्यता से छूट दी जाएगी।

वर्तमान में ओलंपिक सहित बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीआई), खेल अकादमियों, निजी खेल सुविधाओं और विदेशों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

खेल मंत्रालय ने कहा, “खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय और विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक खेल विज्ञान उपकरणों से लैस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र (ओटीसी) स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है।”

उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया के पहले ही की गयी घोषणा का जिक्र करते हुए कहा, “प्रत्येक केंद्र किसी एक खेल के लिए समर्पित होगा। इनमें आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ विशेषज्ञों की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इससे भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए विदेशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।”

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ सिवनी की बैठक संपन्न

दल पंजीयन, बीएसजी आईडी एवं आगामी शिविरों की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा..

जगप्रेरणा सिवनी।

भारत स्काउट एवं गाइड राज्य मुख्यालय के वार्षिक कार्यक्रमानुसार जिला संघ सिवनी द्वारा स्काउटर एवं गाइडर की एक आवश्यक बैठक का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से कृष्ण गार्डन में किया गया। यह बैठक जिला कमिश्नर एवं जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में सिवनी, बरघाट और केवलारी विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बैठक के दौरान विद्यालय स्तर पर दल पंजीयन, बीएसजी आईडी तैयार करने तथा पंजीयन हेतु आवश्यक कार्रवाई और पंजियों के संधारण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान पंजीयन प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का निराकरण भी किया गया।

साथ ही, आगामी माह में जिले में आयोजित होने वाले द्वितीय सोपान कैप एवं बेसिक स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन प्रशिक्षण शिविर की विस्तृत जानकारी उपस्थित विद्यालय प्रभारियों को दी गई। बैठक में वक्ताओं ने स्काउट-गाइड गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन और उनसे मिलने वाले विभिन्न लाभों की संक्षिप्त जानकारी साझा की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से लीडर ट्रेनर



स्काउट विजय शुक्ला, लीडर ट्रेनर गाइड श्रीमती सायरा बानो कुरैशी, सहायक लीडर ट्रेनर अमित कुरैशी, जिला सचिव श्री ब्रह्मने, एडवांस स्काउट मास्टर श्री राम नारायण राय, वेद प्रकाश राय, संतोष तिवारी, श्रीमती पूनम सूर्यवंशी, श्रीमती

नीलम भालवी, दीपक डेहरिया एवं बाल गोविंद पाठक ने अपनी सक्रिय सहभागिता देकर बैठक को सफल बनाया। कार्यक्रम के सुचारू संचालन एवं आयोजन में स्काउट कार्यालय प्रभारी अनुराग तिवारी एवं शैलेंद्र साहू का सहानीय योगदान रहा।

दीप्ति शर्मा के 49 रन, भारत ने जिम्बाब्वे को चार विकेट से हराया

रायपुर, (भाषा)।

भारत ने अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा (49 रन) और पदार्पण करने वाली बल्लेबाज निकी प्रसाद (नाबाद 39) के बीच पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की मदद से शुरुआती इंटकों से उबरते हुए शुरुवार को यहां पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को चार विकेट से शिकस्त देकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। भारत और जिम्बाब्वे पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला में खेल रहे हैं। इस मुकाबले के साथ स्मृति मंथाना के कप्तानी कार्यकाल की भी शुरुआत हुई। भारतीय टीम के लिए 115 रन का लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था लेकिन 19 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद टीम संघर्ष करती दिख रही थी।

लेकिन अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति (37 गेंद, आठ चौके) और मध्यक्रम बल्लेबाज निकी (35 गेंद, छह चौके) ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 63 गेंद में 82 रन की भागीदारी कर भारत को जीत तक पहुंचाया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांचवें विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने मिताली राज और अनुजा पाटिल के बीच इस विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इस दौरान दीप्ति आउट हो गईं, पर भारत ने 4.2 ओवर रहते छह विकेट पर 116 रन बनाकर जीत दर्ज की। नयाशा ग्वानजुरा (तीन ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ही ओवर में भारतीय कप्तान स्मृति मंथाना (09) और अनुष्का शर्मा (04) के विकेट लेकर भारत को दो इंटके दे दिए।

जिम्बाब्वे का मंथाना के खिलाफशुरुआत में ऑफस्पिन गेंदबाजी कराने का फैसला सफल रहा। दूसरे ओवर की पहली गेंद हालांकि विकेट लेने वाली गेंद नहीं थी। मंथाना के पास इसे



खेलने का समय था लेकिन वह पीछे हटकर पुल शॉट खेलने गईं और गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में उछल गई। बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर खड़ी खिलाड़ी ने आसान कैच लपक लिया। जिम्बाब्वे को शुरुआती सफलता मिली और भारत की नयी कप्तान सस्ते में आउट हो गईं। फिर दो गेंद बाद ग्वानजुरा ने भारत को दूसरा इंटका दे दिया। अनुष्का ऑफस्टंप के बाहर की जाती गेंद को ड्राइव करने गईं, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर बैकवर्ड प्वाइंट की ओर चली गईं, जहां क्षेत्ररक्षक ने आसान कैच लपक लिया।

भारत का स्कोर दो विकेट पर 18 रन हो गया। स्कोर में एक रन ही जुड़ा था कि पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी सस्ते में आउट हो गईं। मिशेल मावुंका की पुल लेंथ को हरमनप्रीत ने प्लिक करने की कोशिश की, लेकिन यह सीधे शॉर्ट मिडविकेट पर खड़ी ग्वानजुरा के हाथों में चली गईं। भारत का तीसरा विकेट गिर गया।

ग्वानजुरा ने इसके बाद उप-कप्तान शेफ़ली वर्मा को अपनी ही गेंद पर कैच लेकर भारत को चौथा इंटका दिया। स्कोर चार विकेट पर 19 रन था और भारतीय टीम मुश्किल में दिख रही थी। पर दीप्ति जिम्मेदारी से खेलते हुए क्रीज पर टिकीं रहीं, हालांकि अपने अर्धशतक से एक रन पहले ऑल्रंडर चारे की गेंद पर आउट हो गईं। निकी डर्टी रहीं और टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले जिम्बाब्वे की सलामी बल्लेबाज केलिस एंडलोहवु ने 44 गेंद में 42 रन की आकर्षक पारी खेली, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान टीम को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया। एंडलोहवु की पारी जिम्बाब्वे की ओर से सबसे प्रभावशाली रही जबकि अन्य बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करना पड़ा। शारने मेयर्स ने अंतिम ओवरों में नाबाद 43 रन (33 गेंद में) बनाकर टीम के स्कोर को कुछ

सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया।

एंडलोहवु ने बड़े मंच पर अपनी शॉट खेलने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शॉर्ट गेंदों पर तेजी से कट और पुल शॉट लगाए। हालांकि 10 ओवर में जिम्बाब्वे का स्कोर एक विकेट पर 60 रन पहुंचने के बाद बाएं हाथ की इस सलामी बल्लेबाज की रन गति काफी धीमी हो गई। वह अपनी आखिरी 12 गेंदों पर केवल दो रन बना सकीं, जिसके बाद अरुंधति रेड्डी ने उन्हें बोल्ट कर दिया।

एंडलोहवु की सलामी जोड़ीदार बिलब्ड बिजा पहले ही ओवर में क्रांति गौड़ की सीधी गेंद को चूककर आउट हो गईं। इसके बाद एंडलोहवु और मॉडिस्टर मुपाचिकवा (26 गेंद में 16 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। इस दौरान ज्यादातर रन एंडलोहवु ने बनाए। पर 11वें ओवर में स्पिनर श्री चरणी की गेंद पर मुपाचिकवा ने आसान कैच थमा दिया, जिससे जिम्बाब्वे का स्कोर दो विकेट पर 60 रन हो गया।

जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने काफी अधिक डॉट गेंदें खेलीं। भारत जैसी मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए उन्हें अभी काफी सुधार करने की जरूरत है। मेयर्स ने पारी के अंतिम ओवरों में दो छक्के और चार चौके लगाकर टीम के स्कोर में उपयोजी रन जोड़े।

सम्मानजनक बावें लिखना भी शामिल था।

अधिकारी ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, “छत्रों का एक वर्ग अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए स्थिति का राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने परिसर की दीवारों और जमीन पर आपतिजनक नारे लिखे और कुलपति तथा अन्य शिक्षकों के साथ मारपीट की।

डीन और विभागाध्यक्षों को उन्हें निष्कासित करना पड़ा, हालांकि हम किसी का करियर खराब नहीं करना चाहते।+

छत्रों को संस्थान से निष्कासित किए जाने के बारे में पूछे जाने पर एसआरएफ्टीआई छत्र संघ के प्रवक्ता सुदीप चक्रवर्ती ने आरोप लगाया, “हममें से पांच को अनुचित तरीके से निष्कासन के ईमेल भेजे गए हैं और हम कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।+

एसआरएफ्टीआई ने कुलपति से मारपीट और अनुशासन मंग करने के आरोप में छह छात्रों को निष्कासित किया..

कोलकाता, (भाषा)।

सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफ्टीआई) ने कुलपति और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट तथा परिसर में अनुशासन भंग करने के आरोप में छह छात्रों को निष्कासित कर दिया है।

संस्थान के एक अधिकारी ने शुरुवार को यह जानकारी दी। इस बीच, परिसर की सुरक्षा को लेकर छात्रों का आंदोलन 18वें दिन भी जारी रहा। वहीं, संस्थान ने एक अधिसूचना जारी कर फिल्म और इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया (ईडीएम) विभागों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां 13 नवंबर तक स्थगित कर दी है।

इसके अलावा, छात्रावासों सहित परिसर में रहने वाले छात्रों को 24 घंटे के भीतर परिसर

खाली करने का निर्देश दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार, “आगामी त्योहारों के समय और उनसे जुड़ी प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए+ परिसर का कामकाज व्यवस्थित ढंग से चलाने के हित में ये कदम उठाए गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि छात्रावासों की मेस सेवाएं भी 13 नवंबर तक या अगले आदेश तक (इनमें से जो भी पहले हो) स्थगित रहेंगी।

एसआरएफ्टीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुरुवार को बताया कि छात्रांकन, संपादन और फिल्म निर्माण सहित विभिन्न विभागों के डीन और प्रमुखों ने छह छात्रों को निष्कासित किया है। उन्होंने कहा कि कुलपति के कार्यालय में तोड़फेंड की और उनके साथ मारपीट करने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। आरोपों में परिसर की दीवारों

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

7 शनिवार 17 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

दुनियाँ में युद्ध का तांडव! तेल पर छिड़ी वैश्विक जंग,भारत का विंडफॉल टैक्स वाला दांव! पेट्रोल निर्यात शुल्क पांच गुना बढ़ा, डीजल पर 7.50 की कटौती! क्या आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर? सऊदी अरब पर हूती हमलों से ऊर्जा संकट की आहट – समग्र व्यापक महा-विश्लेषण..

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के ऊर्जा बाजार में इन दिनों युद्ध, तेल की आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक सुखा का ऐसा त्रिकोण बन रहा है, जिसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश पर भी पड़ सकता है। एक ओर पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य तनाव, दूसरी ओर सऊदी अरब के हवाई अड्डों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों की खबरें और तीसरी ओर भारत सरकार का पेट्रोल एवं डीजल निर्यात शुल्क में बदलाव, ये घटनाएं बताती हैं कि आज तेल केवल व्यापार की वस्तु नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का महत्वपूर्ण आधार है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि केंद्र सरकार ने 15 अक्टूबर की देर रात जारी आदेश के माध्यम से 16 अक्टूबर 2026 से पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 0.50 रूपए से बढ़ाकर 2.50 रूपए प्रति लीटर कर दिया, जबकि डीजल पर लगने वाला शुल्क 16 रूपए से घटाकर 8.50 रूपए प्रति लीटर कर दिया गया। यानें पेट्रोल पर शुल्क बढ़ाकर पांच गुना हुआ, लेकिन डीजल पर 7.50 रूपए प्रति लीटर की कटौती हुई। सवाल है कि इस विरोधाभासी फैसले के पीछे क्या अर्थशास्त्र है, विंडफॉल टैक्स आखिर क्या है और क्या इससे आम आदमी को राहत मिलेगी? इन सब बातों को हम नीचे सटीकता से पैराग्राफवाँइस समझने की कोशिश करेंगे।

साथियों बात अगर हम सऊदी अरब पर हूती हमले: क्या दुनिया के तेल बाजार पर मंडरा रहा है संकट? इसको समझने की करें तो, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यमन के हूती संगठन और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच तनाव बढ़ने के साथ मिसाइलों और ड्रोन हमलों की खबरें आनेवासी आई हैं। 15 अक्टूबर की रिपोर्टों के अनुसार, यमन के अदन स्थित अल-मआशिक राष्ट्रपति परिसर के आपसपास भी हमला हुआ। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट करना जरूरी है

कि राष्ट्रपति भवन पर हमले की रिपोर्ट यमन के राष्ट्रपति परिसर से संबंधित है, न कि सऊदी अरब के राष्ट्रपति भवन से। वहीं, सऊदी अरब में हवाई अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों पर हमलों तथा तेल सुविधाओं को लेकर खतरे की खबरों ने सुरक्षा चिंताएं बढ़ाई हैं। इस संकट का आर्थिक महत्व इसलिए अधिक है, क्योंकि सऊदी अरब वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। यदि तेल उत्पादन, रिफ़इनरी संचालन, बंदरगाहों या समुद्री परिवहन में लंबे समय तक बाधा आती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने पर संकट और गंभीर हो सकता है। हालांकि, हमलों की खबरों का अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब का पूरा तेल उत्पादन बंद हो गया है या दुनिया में तेल की तत्काल भारी कमी निश्चित है। वास्तविक असर हमलों की अवधि, क्षतिग्रस्त प्रतिष्ठानों, वैकल्पिक आपूर्ति और तेल भंडारों पर निर्भर करेगा।भारत के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। तेल महंगा होने पर आयात बिल, रुपये की विनिमय दर, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।इसी पृष्ठभूमि में निर्यात शुल्क की नीति को सटीकता से समझना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम विंडफॉल टैक्स क्या है? आसान भाषा में समझने की करें तो,विंडफॉल टैक्स का सामान्य अर्थ है असाधारण परिस्थितियों में कंपनियों को होनेवाले अप्रत्याशित अतिरिक्त मुनाफेपर लगाया जाने वाला कर। उदाहरण के लिए, युद्ध या आपूर्ति संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें तेजी से बढ़ जाएं और किसी कंपनी को सामान्य परिस्थितियों की तुलना में बहुत अधिक लाभ मिलने लगे, तो सरकार उस अतिरिक्त लाभ के एक हिस्से पर कर लगाने का निर्णय ले सकती

है।लेकिन भारत के मौजूदा मामले में तकनीकी अंतर समझना जरूरी है। पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लागू शुल्क को समाचारों में विंडफॉल टैक्स कहा जा रहा है, जबकि इसे विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा अन्य लागू उपकरणों के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। यह जरूरी नहीं कि प्रत्येक कंपनी के वास्तविक अतिरिक्त मुनाफे की गणना करके ही प्रति लीटर शुल्क लगाया जाए। वर्तमान व्यवस्था में निर्यात पर निर्धारित दर लागू होती है। सरल उदाहरण से समझिए।यदि कोई रिफ़इनरी तो घरेलू बाजार में बेचने के बजाय विदेश में पेट्रोल बेचकर अधिक कमाई कर सकती है, तो सरकार निर्यात पर शुल्क बढ़ाकर उस विकल्प को कुछ महंगा बना सकती है। इससे घरेलू बिजली और निर्यात के बीच आर्थिक संतुलनप्रभावित हो सकता है। हालांकि, केवल शुल्क बढ़ाने से कंपनियां अनिवार्य रूप से सारा इंधन घरेलू बाजार में बेचेंगी,इसकी गारंटी नहीं होती; इसके लिए मांग, उत्पादन क्षमता, निर्यात अनुबंध और अन्य नियम भी महत्वपूर्ण हैं।

साथियों बात अगर हम 16 अक्टूबर से लागू नई दरों को समझने की करें तो पेट्रोल पर पांच गुना बढ़ोतरी, डीजल पर कटौती, केंद्र सरकार के नए आदेश के अनुसार पेट्रोल और डीजल के निर्यात शुल्क में अलग-अलग बदलाव किए गए हैं। विवरण पुरानी दर नई दरपेट्रोल निर्यात शुल्क 0.50 रूपए /लीटर 2.50/रूपए लीटर डीजल निर्यात शुल्क 16/रूपए लीटर 8.50 रूपए / लीटर डीजल शुल्क में कमी - 7.50रूपए /लीटर इसका अर्थ है कि पेट्रोल पर शुल्क में 2 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल पर 7.50 प्रति लीटर की कटौती की गई है। इसलिए इसे केवल कर बढ़ाने का फैसला कहना सही नहीं होगा; यह दोनों इंधनों के लिए अलग-अलग दिशा में किया गया नीतिगत बदलाव है।पेट्रोल का शुल्क बढ़ने से विदेश में पेट्रोल बेचने की लागत बढ़ सकती है। दूसरी ओर, डीजल पर शुल्क घटने से उसके निर्यात पर पड़ने वाला कर-

भार कम होगा। सरकार के आदेश में दोनों दरों में बदलाव किया गया है, लेकिन केवल इस आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि सरकार ने पेट्रोल की घरेलू कमी की पुष्टि कर दी है या डीजल की आपूर्ति सटीकता से पूरी तरह सुरक्षित हो गई है।

साथियों बात अगर हम सरकार विंडफॉल टैक्स क्यों लाती है? तीन प्रमुख उद्देश्य को समझने की करें तो पहला उद्देश्य है घरेलू ऊर्जा सुरक्षा। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बहुत आकर्षक हों, तो कंपनियों के लिए निर्यात करना अधिक लाभकारी हो सकता है। निर्यात शुल्क इस लाभ को प्रभावित करके घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के सरकारी प्रयास का हिस्सा बन सकता है। हालांकि, आपूर्ति पर इसका वास्तविक प्रभाव बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करता है।दूसरा उद्देश्य है सरकारी राजस्व और सार्वजनिक खर्च।

अतिरिक्त शुल्क से सरकार को राजस्व मिल सकता है, जिसे व्यापक बजटीय संसाधनों के हिस्से के रूप में सार्वजनिक सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं के वित्तपोषण में इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि इस शुल्क से प्राप्त प्रत्येक रुपया सीधे पेट्रोल-डीजल की सब्सिडी में ही खर्च किया जाता है। तीसरा उद्देश्य है असाधारण लाभ और सार्वजनिक हित के बीच संतुलन।

जब संकट के कारण किसी क्षेत्र की कंपनियों को असामान्य लाभ मिलता है, तो सरकार कर नीति के जरिए उसका कुछ हिस्सासार्वजनिक राजस्व में लाने की कोशिश कर सकती है। इससे आर्थिक असमानता घटाने में अप्रत्यक्ष सहायता मिल सकती है, लेकिन केवल विंडफॉल टैक्स से आर्थिक असमानता समाप्त नहीं होती।

साथियों बात अगर हम हर 15 दिन में समीक्षा: भारत की नीति कैसे काम करती है?हम इसको समझने की करें तो भारत ने जुलाई 2022 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों

में तेजी के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर ऐसे शुल्कों का इस्तेमाल शुरू किया था। बाद में दरों में बदलाव हुए और 2024 में ये शुल्क हटाए गए। 2026 में ऊर्जा बाजार में नए उछाल के बीच निर्यात शुल्क फिर लागू किए गए। सरकारी पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की दर-सारणी में विभिन्न तारीखों पर शुल्कों में हुए बदलाव दर्ज हैं। इन दरों की लगभग प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा की जाती है।

जो अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बदलाव, निर्यात की आर्थिक स्थिति और घरेलू ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखकर शुल्क घटाए या बढ़ाए जा सकते हैं। तेल पर्याप्त उपलब्ध होने पर शुल्क कम या शून्य किया जा सकता है; लेकिन ऐसा कोई स्वतः लागू नियम नहीं है कि घरेलू आपूर्ति बढ़ते ही शुल्क अनिवार्य रूप से शून्य हो जाएगा। यह सरकार के निर्णय और लागू अधिसूचना पर निर्भर करता है।दुनिया के अन्य देशों ने भी ऊर्जा संकट के समय असाधारण लाभ पर कर लगाने के विभिन्न तरीके अपनाए हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन ने 2022 में तेल और गैस कंपनियों के असाधारण लाभ पर ऊर्जा लाभ लेवी लागू की थी। यूरोपीय संघ ने भी ऊर्जा क्षेत्र के कुछ अतिरिक्त लाभों पर अस्थायी योगदान की व्यवस्था की थी। इन नीतियों की दरें, कानूनी आधार और लागू क्षेत्र सटीकता से भारत की व्यवस्था से अलग हैं।

साथियों बात अगर हम क्या आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर? इसको समझने की करें तो सरकार के इस बदलाव का सीधा दायरा निर्यात शुल्क है, घरेलू पेट्रोल पंपों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्वतः बदलाव नहीं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, घरेलू खपत के लिए लागू मौजूदा शुल्क दरों में इस आदेश से परिवर्तन नहीं किया गया है। इसलिए 16 अक्टूबर को निर्यात शुल्क बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आम नागरिक को पेट्रोल खरीदते समय तत्काल

2.50 रूपए अतिरिक्त देना पड़ेगा। इसी तरह डीजल निर्यात शुल्क घटने का अर्थ यह भी नहीं है कि पेट्रोल पंप पर डीजल 7.50 रूपए सस्ता हो जाएगा।फिर भी अप्रत्यक्ष प्रभाव संभव हैं। यदि वैश्विक तेल कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं, तो परिवहन, माल ढुलाई, विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसके विपरीत,यदि घरेलू आपूर्ति स्थिर रहती है औरअंतरराष्ट्रीय कीमतें घटती हैं,तो अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। अंतिम असर कर नीति के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमत, रुपये की स्थिति, रिफ़इनरी लागत और घरेलू मूल्य निर्धारण पर निर्भर करेगा।

साथियों बात अगर हम सऊदी अरब में उड़ानों पर रोक: युद्ध का असर हवाई यातायात तक को समझने की करें तो क्षेत्रीय सुरक्षा संकट का प्रभाव हवाई यातायात पर भी दिखाई दे रहा है।16 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया ने रियाद,दम्माम और जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानों का निलंबन 20 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी कुछ सऊदी मार्गों पर 17 अक्टूबर तक उड़ानों के निलंबन या रद्दीकरण की घोषणा की है। अन्य अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने भी अपनी उड़ानों के कार्यक्रम बदले हैं। यह अंतर समझना महत्वपूर्ण है कि ये संबंधित एयरलाइनों द्वारा सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए लिए गए परिचालन निर्णय हैं; इन्हें भारत सरकार द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगाई गई एक समान रोक कहना सही नहीं होगा।यात्रियों को हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी एयरलाइन से उड़ान की स्थिति की सटीकता से पुष्टि करनी चाहिए।

अतः अगर हम अप्रोच पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तेल की हर बूंद अब अर्थव्यवस्था और सुरक्षा से जुड़ी है,आज की वैश्विक परिस्थितियां भारत को ऊर्जा सुरक्षा,व्यापारिक लाभ और आम नागरिक

के हितों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती दे रही हैं। पेट्रोल निर्यात शुल्क में पांच गुना वृद्धि और डीजल शुल्क में 7.50रूपए प्रति लीटर की कटौती इसी बदलते आर्थिक परिदृश्य का हिस्सा है।विंडफॉल टैक्स या निर्यात शुल्क अपने आप में न तो तेल संकट का पूर्ण समाधान है और न ही महंगाई से सुरक्षा की गारंटी।

इसका महत्व इस बात में है कि सरकार बदलती परिस्थितियों में निर्यात और घरेलू जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के लिए एक नीतिगत साधन इस्तेमाल कर रही है।यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचता है, समुद्री मार्ग बाधित होते हैं या ऊर्जा प्रतिष्ठानों को गंभीर नुकसान पहुंचता है,तो भारत के सामने आयात लागत और महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में पर्याप्त रणनीतिक भंडार, विविध आयात स्रोत, सुरक्षित परिवहन मार्ग और पारदर्शी कर नीति पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होंगे।

अंततः ऊर्जा सुरक्षा का असली पैमाना केवल यह नहीं कि सरकार कितना कर लगाती है, बल्कि यह है कि देश में इंधन की उपलब्धता बनी रहे, कीमतों पर अनावश्यक दबाव न बढ़े और संकट का बोझ आम नागरिक पर न्यूनतम पड़े।

लेखक



एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 302

1		2		3		4	5		6	7	8		9		10		11	12	
				13					14				15				17		
18	19	20		21		22		23		24			25						
	26			27	28		29	30		31			32				33		
	34			35			36			37			38				39		
40		41		42	43		44		45	46	47				48				
		48अ		49		50	51						52	53					
54	55	56		57			58		59				60						
61				62		63		64	65				66				67		
		68	69		70		71	72		73			74						
75			76		77		78						79						
				80	81		82	83		84			85						
86	87	88	89				90		91		92		93				94		
95					96		97		98		99		100				101		
			102			103					104						105		
106		107			108						109				110				

बायें से दायें :- 1) ग्राम सभा 4) भाग्य की परीक्षा करना अर्थवाला एक मुहावरा 10) एक ही उदर से उत्पन्न संतान 13) अवकाश, काम से छुट्टी 14) व्याकुल, बेचैन 15) शारीरिक या मानसिक स्फूर्ति, ताजा होने का भाव 17) सरकार चलानेवाला 18) विवाहीत स्त्रियों का एक व्रत 21) सहज, बिना परिश्रम के 23) पक्षाघात, शरीर के कुछ अंगो को सुन्न कर देनेवाला एक रोग 25) प्रमाण पत्र 26) प्रति वर्ष होनावाला 27) नमस्कार, प्रणाम 28) संग्रह, संवय, चुननेका कार्य 31) शोभायमान, अच्छी तरह से सजाया हुआ 32) जंगल, अरण्य 34) नाक, नासिका 35) पिकनिक, मौज मनोरंजन के लिए मिलजुलकर जाना 36) साहूकार का सहाय्यक 37) मातरम् 38) चेहरा ढकने का रंगीन या जालीदार कपड़ा 39) थोड़े अक्षरों या शब्दों में कहा हुआ, ऐसा पद या वचन जो बहुत अर्थ प्रकट करता हो 41) साधारण, सामान्य, एक फल 42) पत्नि या पति की माता 44) राजा नहुष के पुत्र, जिनका विवाह शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी के साथ हुआ था 46) भारी, तौला जानेवाला 48अ) वृषभानु गोप की कन्या, श्रीकृष्ण की सखी 49) निरीक्षण, देखरेख 51) लहर, चित्त की उमंग 52) लोहे, लकड़ी की लंबी सलाई 54) निर्णय, मत 56) सूर्य 57) मेहेरबानी,, कृपा 58) अज्ञानी, नासमझ 59) ग्रहण, पकड़ 60) संसार, दुनिया, लोक 61) घर, तीर्थक्षेत्र 64) जटा धारण करनेवाला 66) भाड़े की गाड़ी, सवार होने की क्रिया 68) गरुड़ 70) माता का अपनी संतान प्रति स्नेह 72) अन्य, दुसरा 73) विलक्षण बात, आफत 74) छाती 75) तागे के सहारे हवा में उड़नेवाला एक खिलौना 76) जंगल में लगी हुई आग 77) परभूत होना 78) नाश करनेवाला 79) अपने केवल स्पर्श से लोहे को सुवर्ण बनानेवाला एक काल्पनिक पत्थर 80) मुद्रा ढालने का कारखाना 82) वृक्ष की डाल 84) नजरबंद किया हुआ 86) प्रतिज्ञा, दिया हुआ वचन 88) धब्बा, कलंक 90) वध, हत्या 92) शरीर का कोमलस्थान 93) स्त्री जाति 95) लक्ष्मी पति, विष्णु 96) छोटे छोटे महीन टुकड़ों में कटा हुआ मांस 98) प्रलय, हंगामा 101) स्तंभित, भौंचक्का 102) नीच मनुष्य 103) पैर से रौंदना, दबाना 104) मछली का कांटा जो गले में फंस जाता है, सहज न हटनेवाली आपत्ति 105) शैव संप्रदाय के वे साधु जो

पुकारती मधुशाला..

पाटकगण की जीम चाहेगी,
हर पल पीने को यह हाला,
पाटकगण के हाथ चाहेगे,
पकड़ लेने को यह स्वर्ण प्याला;

कभी न थकेगा अपना साकी,
भरता रहेगा उनका प्याला,
तारीफकरेंगे पीने वाले,
रोज बुलाएगी मेरी मधुशाला। (1)

गली से होकर कोई गुजरेगा,
कदम ठहर जाएंगे पीने को हाला,
बुलाएगा अंदर अपना साकी,
पकड़ा देगा एक नया प्याला;

कुछ लोग देख कर चले जाएंगे,
लश्च्य महत्वपूर्ण है न कि हाला,
जो ठहर गए उन्हें पिलाएगा साकी,
आवाज देगी सबको मधुशाला। (2)

रचनाकार



प्रणव राज,
बिहार

दशा महा दशा..

शांति समिति की।
बैठक हुई।
अशांति सड़क।
पर आई।
यातायात चरमराई।
आमजनों के वाहनों।
पर लाई।

प्रतिबन्धों पर लगाम भाई।
वीआईपीयों ने।
वाहन दौड़ाई।
नमस्कार चमत्कार जाई।
आमजनों पर।
अराजकता खाई।
पहले वस्तु स्थिति।
नहीं दिखाई।
नये-नये दिमाग चलाई।
अपने मनपसंदों की गई।
पिस रही
नागरिकता चताई?

लेखक



आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार ‘वीर’



वित्त मंत्रालय का अखिलेश यादव को जवाब, सरकारी बैंकों ने कमाया रिकॉर्ड मुनाफा..

नई दिल्ली, (भाषा)।
वित्त मंत्रालय ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार के लगातार हस्तक्षेप और बैंकिंग सुधारों के चलते सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।



वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा कि इससे पीएसबी की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.93 प्रतिशत पर आ गई। मंत्रालय ने यादव के उस आरोप के जवाब में यह पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था को सूदखोरी से भी ज्यादा खराब बना दिया है।
यादव ने बृहस्पतिवार को 2014 से बैंकिंग सुधारों को संभालने के तरीके को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने न्यूनतम शेष राशि नहीं रखने पर चुनौती, नोटबंदी, सेवा शुल्क, कर्ज माफी, ऋण तक पहुंच और बैंक कर्मचारियों के साथ व्यवहार सहित कई मुद्दों पर सवाल उठाए थे।
न्यूनतम शेष राशि नहीं रखने पर लगने वाले शुल्क के बारे में वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय

समावेश के उद्देश्य और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ते हुए अधिकांश पीएसबी ने अपने सामान्य बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि नहीं रखने पर लगने वाले शुल्क या तो पूरी तरह माफ कर दिए हैं या कम कर दिए हैं। मंत्रालय ने वसूली एजेंट के व्यवहार के बारे में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे ग्राहकों को डरा-धमका या परेशान नहीं कर सकते।
पोस्ट में कहा गया है कि प्रत्येक नागरिक तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इससे देश के सभी गांव बैंकिंग केंद्रों से जुड़ गए हैं। नोटबंदी के बारे में मंत्रालय ने कहा कि यह एक आर्थिक निर्णय था, जिसे काले धन, जाली मुद्रा और अवैध सीमा पार वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण माना गया था।
मंत्रालय के मुताबिक, इससे अधिक लेनदेन औपचारिक वित्तीय व्यवस्था के दायरे में आए और सूपीआई जैसी डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने को भी बढ़ावा मिला।

उसने कहा कि आर्थिक गतिविधियों को औपचारिक स्वरूप देने और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार करने से नोटबंदी ने भारत की विशाल असंगठित अर्थव्यवस्था को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में मदद की और दीर्घकालिक पारदर्शिता को बढ़ावा दिया।
बैंक के लॉकरों में रखी कीमती धातुओं, निवेश प्रमाणपत्रों और अन्य विरासत में मिली वस्तुओं के गायब होने के आरोप पर मंत्रालय ने कहा कि लॉकर में रखी वस्तुओं का खोना एक असाधारण घटना है। यदि बैंक की सेवा में कमी के कारण ऐसा होता है, तो बैंक ग्राहक को मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी है।
मंत्रालय ने कहा कि आरबीआई के मौजूदा नियमों के तहत यह मुआवजा सालाना लॉकर किराये का 100 गुना तक हो सकता है।
वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों, शासन संबंधी उपायों और संरचनात्मक सुधारों से बैंकों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है।
उसने कहा कि इन सुधारों से बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, ऋण अनुशासन और जोखिम प्रबंधन बेहतर हुआ है, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है और ग्राहक सेवा में सुधार आया है। मंत्रालय के अनुसार, 31 मार्च, 2026 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर 1.93 प्रतिशत रह गया था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में उसका कुल कारोबार 283 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार लगातार दूसरे दिन चढ़ा, सेंसेक्स 414 अंक मजबूत..

मुंबई, (भाषा)।
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में तगड़ी खरीदारी और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ।
सेंसेक्स 414 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में करीब 149 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 413.66 अंक यानी 0.56 प्रतिशत बढ़कर 74,729.27 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 463.17 अंक चढ़कर 74,778.78 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 148.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत बढ़कर 23,146.15 अंक पर बंद हुआ।
सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 8.45 प्रतिशत चढ़ा। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 32.74 प्रतिशत बढ़कर 1,585.6 करोड़ रुपये रहने की सूचना दी थी। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फ्लैश और एचसीएलटेक के शेयरों में भी तेजी रही।
दूसरी तरफ इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में कुल 2,256.94 अंक यानी 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जबकि एनएसई निफ्टी 625.7 अंक यानी 2.77 प्रतिशत चढ़ गया।
जियोजिट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, «तिमाही नतीजों और कंपनियों के प्रबंधन की सकारात्मक टिप्पणियों से आईटी क्षेत्र की आय संभावनाओं को लेकर भरोसा



बढ़ा है। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये में मजबूती से भी बाजार धारणा को समर्थन मिला।+
वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्लड का भाव 0.30 प्रतिशत गिरकर 105.6 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। हालांकि व्यापक बाजार में गिरावट का रुख देखा गया। मशौली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.37 प्रतिशत गिर गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.14 प्रतिशत की गिरावट रही।
क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी खंड ने सर्वाधिक 3.38 प्रतिशत की छलांग लगाई जबकि फेकस आईटी खंड में 3.29 प्रतिशत की तेजी रही। दूरसंचार खंड में 1.56 प्रतिशत, धातु खंड में 0.78 प्रतिशत और वाहन खंड में 0.77 प्रतिशत की बढ़त रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,404 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,962 कंपनियों में गिरावट रही और 250 अन्य अपरिवर्तित रहीं।
रैलगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, «शुक्रवार को बाजार में लगातार दूसरे सत्र में तेजी रही। तिमाही नतीजों के बाद आईटी शेयरों में खरीदारी बाजार की बढ़त का प्रमुख कारण रही, जबकि अन्य क्षेत्रों ने भी समर्थन दिया। रुपये में मजबूती जारी रहने से भी घरेलू बाजार की धारणा को बल मिला।+»

इस बीच, बाजार नियामक सेबी ने समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) के ढांचे में संशोधन कर दिया है। नए नियमों के तहत 10 मिनट का समापन नीलामी सत्र सभी कारोबारी सत्रों में अपराह्न 3.30 बजे से 3.40 बजे तक चलेगा, जबकि सूचकांक और शेयर डेरिवेटिव में कारोबार कुछ अपवादों को छोड़कर 3.45 बजे तक जारी रहेगा। एक अहम बदलाव वायदा एवं विकल्प अनुबंधों की समाप्ति पर उनके निपटान से जुड़ा है। अब निपटान के लिए लगातार कारोबार के अंतिम 30 मिनट के दौरान के कारोबार के मात्रा-भारित औसत मूल्य (वीडब्ल्यूएपी) पद्धति का इस्तेमाल किया जाएगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 5,285.37 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए।
यूरोप के अधिकांश बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 1,533.72 अंक उछलकर 74,315.61 अंक पर और निफ्टी 374.65 अंक चढ़कर 22,997.35 अंक पर बंद हुआ था।

दिल्ली के कारोबारियों ने त्योहारी मौसम में प्रदर्शनों से नुकसान का मुद्दा उठाया..

नई दिल्ली, (भाषा)।
राष्ट्रीय राजधानी में कर्नाट प्लेस और आसपास के इलाकों में बार-बार हो रहे प्रदर्शनों से त्योहारी मौसम में कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय व्यापारियों और कारोबारी संगठनों ने ग्राहकों की आवाजाही घटने और



बिक्री में गिरावट की शिकायत करते हुए अधिकारियों से व्यावसायिक गतिविधियां बाधित नहीं होने देने का अनुरोध किया है। भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) के कोषाध्यक्ष मनप्रोत्त सिंह ने कहा कि कर्नाट प्लेस और आसपास बार-बार हो रहे प्रदर्शनों से कारोबार पर काफी असर पड़ा है। कुछ दिन यहां की दुकानों और प्रतिष्ठानों में बिल्कुल भी बिक्री नहीं हुई।
उन्होंने कहा कि प्रदर्शनों की घोषणा मात्र से लोग खरीदारी और खानपान के लोकप्रिय केंद्र कर्नाट प्लेस आने से कतराने लगते हैं, भले ही उस क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर कोई पाबंदी न हो। त्योहारों के दौरान इसका असर अधिक होता है, क्योंकि परिवार आम तौर पर खरीदारी, मनोरंजन और खानपान के लिए यहां आते हैं।
सिंह ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शनकारियों

से व्यावसायिक क्षेत्रों के बजाय दूसरे स्थानों पर प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से प्रदर्शनों के लिए निर्धारित स्थानों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
यह मुद्दा ऐसे समय उठा है, जब कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) ने शुक्रवार शाम को कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में ‘तिरंगा मार्च’ निकालने का आह्वान किया है। इसके पहले भी जंतर मंतर और आसपास के इलाकों में प्रदर्शनों से कारोबारी गतिविधियां प्रभावित होती रही हैं।
‘फेडरेशन लाजपत नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन’ (एलएनटीए) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 10 अक्टूबर के प्रदर्शनों के दौरान हुए कथित नुकसान के लिए मुआवजा देने और

त्योहारों के दौरान प्रदर्शनों पर पाबंदी लगाने की मांग की है।
एलएनटीए के महासचिव ने पत्र में कहा कि प्रदर्शनों के आह्वान से आयोजन से पहले और बाद के चार-पांच दिनों तक बाजार में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हुई, जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर कारोबार के लिहाज से महत्वपूर्ण महीने हैं, क्योंकि व्यापारी अपने सालाना खर्च पूरे करने के लिए त्योहारों की बिक्री पर निर्भर रहते हैं।
‘ऑटोमोटिव पाटर्स मर्चेण्ट्स एसोसिएशन’ ने भी बार-बार होने वाले प्रदर्शनों से यातायात जाम और कामकाज बाधित होने का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से समस्या का समाधान करने का आग्रह किया है।
‘सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन’ के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि दिवाली और अन्य त्योहारों से पहले बढ़ती कीमतें तथा यातायात संबंधी अवरोध व्यापारियों की चिंता बढ़ा रही हैं। व्यापारी त्योहारों में मांग बढ़ने की उम्मीद में अतिरिक्त माल खरीदते हैं, लेकिन बिक्री प्रभावित होने से उन पर आर्थिक दबाव बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की आवाजाही घटने के बावजूद दुकान का किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन और परिवहन जैसे खर्च जारी रहते हैं।

शहरों को निवेश के लायक बनाने के लिए सार्वजनिक निजी पूंजी का समन्वय जरूरी: सीतारमण..

नई दिल्ली, (भाषा)।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत में वित्तीय रूप से टिकाऊ और निवेश आकर्षित करने में सक्षम शहर विकसित करने के लिए सार्वजनिक निवेश, नगर निकायों की मजबूत वित्तीय स्थिति, विकास वित्त और निजी पूंजी का समन्वय जरूरी है।
सीतारमण ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकों के दौरान शहरी विकास कार्यक्रमों पर अपने संबोधन में कहा कि शहरों को ऐसी परियोजनाएं तैयार करनी चाहिए, जिनमें निवेश करना वित्तीय रूप से व्यवहार्य हो।
उन्होंने कहा, «इसके लिए तकनीकी रूप से मजबूत योजनाएं, मांग का यथार्थ आकलन, परियोजना की पूरी अवधि की लागत का अनुमान और विश्वसनीय खरीद एवं क्रियान्वयन व्यवस्था जरूरी है।+»
वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं के जरिये शहरी सेवाओं में सार्वजनिक निवेश का व्यापक ढांचा तैयार किया है। इनमें अटल नवीकरण और शहरी



परिवर्तन मिशन (अमृत), स्मार्ट सिटी मिशन और स्वच्छ भारत मिशन शामिल हैं।
सीतारमण ने कहा कि पिछले आठ-नौ वर्षों में शुरू की गई विभिन्न योजनाओं से जरूरी शहरी सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण में मदद मिली है। ‘शहरी चुनौती कोष’ के तहत एक लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय सहायता का प्रावधान किया गया है, जिसका लक्ष्य कुल चार लाख करोड़ रुपये का शहरी निवेश आकर्षित करना है। उन्होंने कहा कि शहरों को परियोजनाओं

के मूल्यांकन और शासन, नियोजन तथा नगर निकायों के वित्त से जुड़े सुधारों की प्रतिबद्धता के आधार पर प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिये सहायता दी जाती है।
सीतारमण ने कहा कि 2026-27 के बजट में घोषित शहरी आर्थिक क्षेत्र की पहल सुधारों को क्षेत्रीय विकास से जोड़ती है। इसके तहत प्रत्येक शहरी आर्थिक क्षेत्र के लिए पांच साल में 5,000 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। यह धन प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया और सुधारों तथा परिणामों पर आधारित वित्तपोषण के जरिये दिया जाएगा।
उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय नियोजन से भूमि का बेहतर इस्तेमाल, बुनियादी ढांचे और सेवाओं के दोहराव में कमी तथा स्वामित्व, भुगतान और रखरखाव की स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है।
वित्त मंत्री ने कहा कि बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने और सभी वर्गों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक निवेश महत्वपूर्ण है। वहीं, बाजार से जुड़े और सुधार-आधारित निवेश अतिरिक्त पूंजी जुटाने तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार लाने में मदद कर सकते हैं।

एआई के जोखिमों से निपटने के लिए तत्काल सुरक्षा उपाय जरूरी: आईएमएफ प्रमुख..

बैंकॉक, (एपी)।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से जुड़े संभावित जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल सुरक्षा उपायों की जरूरत है। जॉर्जीवा ने एआई प्रौद्योगिकी की तुलना फॉर्मूला-1 रेसिंग कार से करते हुए कहा कि अगर यह नियंत्रण से बाहर हो जाए, तो लोगों को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, «सवाल यह है कि हम अवरोधक कैसे लगाएं, ताकि अगर कार पटरी से उतर जाए तो लोगों की जान न जाए।+»
आईएमएफ प्रमुख ने विश्व अर्थव्यवस्था पर एआई के प्रभाव को लेकर आयोजित एक परिचर्चा में कहा कि एआई उद्योग मानवता के लिए बेहद महत्वपूर्ण काम कर रहा है और इससे दुनिया को बड़ा लाभ मिल सकता है। हालांकि, अगर इस प्रौद्योगिकी से लोगों को नुकसान पहुंचता है, तो उसका लाभ उठाना सार्थक नहीं रह जाएगा।
जॉर्जीवा ने कहा कि रोजगार पर एआई का असर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आईएमएफ के एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि करीब 10 प्रतिशत नौकरियों में बदलाव हो सकता है या नई नौकरियां सृजित हो सकती हैं,



जबकि बार-बार दोहराए जाने वाले कामों से जुड़ी नौकरियां खत्म हो सकती हैं। एआई में निवेश से लाभ पाने वाले लोगों की वजह से सेवा क्षेत्र में भी रोजगार पैदा होगा। उन्होंने कहा, «कुल मिलाकर एआई का असर सकारात्मक रहने की उम्मीद है, लेकिन सेवा क्षेत्र की नौकरियों में वेतन बहुत अधिक नहीं होता।+» जॉर्जीवा ने चिंता जताई कि जिन युवाओं को पेशेवर क्षेत्र में नियमित काम मिलने की उम्मीद थी, उन्हें कॉफी परोसने जैसी नौकरियां करनी पड़ सकती हैं, जो उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं हैं। इस परिचर्चा में

एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सह-संस्थापक और नीति प्रमुख जैक क्लार्क सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया।
क्लार्क ने कहा कि एआई के नियमन के लिए नीतिगत कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्नत एआई प्रणालियों का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि मनुष्यों के इस प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण खोने का जोखिम है। उन्होंने कहा कि एआई के नियमन से जुड़े फैसले केवल कंपनियों पर नहीं छोड़े जा सकते और इस मामले में लापरवाही से अव्यवस्था पैदा हो सकती है।
परिचर्चा में शामिल कनाडा के केंद्रीय बैंक के गवर्नर टिफ मैक्लेम ने एआई से रोजगार पर पड़ने वाले असर की तुलना अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विस्तार से की। उन्होंने कहा कि व्यापार बढ़ने से वैश्विक स्तर पर संपत्ति बढ़ी और लाखों लोग गरीबी से बाहर आए, लेकिन चीन और अन्य विकासशील देशों में विनिर्माण गतिविधियां जाने से कई लोगों की आजीविका भी प्रभावित हुई। मैक्लेम ने कहा कि कुल मिलाकर व्यापार से लाभ हुआ है, लेकिन इसमें कुछ लोगों को फायदा हुआ और कुछ को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए व्यवस्था जरूरी है, अन्यथा इसके खिलाफ असंतोष बढ़ सकता है।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥

प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

10 शनिवार 17 अक्टूबर 2026

लालबर्वा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी • खमरिया • जाम • कंजई • उकवा • मलाजखंड • बिरसा • लामटा • चांगोदोला

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

श्रीराम मंदिर प्रांगण में पांच दिवसीय गरबा महोत्सव, पारंपरिक परिधानों में सजी बालिकाओं ने बांधा समा..

रास-गरबा की प्रस्तुतियों से देर रात तक गुंजा मंदिर परिसर..
दशहरा चल समारोह के बाद प्रतिभागियों को किया जाएगा सम्मानित..

हर्ष पाण्डेय, जगप्रेरणा परसवाड़ा।
शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर परसवाड़ा के श्रीराम मंदिर दरबार प्रांगण में आयोजित पांच दिवसीय गरबा महोत्सव में भक्ति, संस्कृति और उत्साह का अनुपम संगम देखने को मिला।

रां-बिरगे पारंपरिक परिधानों में सजी नर्तकी बालिकाओं और युवतियों ने आकर्षक गरबा प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा मंदिर परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। मां दुर्गा की आराधना के बीच संगीत की मधुर धुनों पर थिरकते कदमों और पारंपरिक रास-गरबा ने नवरात्रि के उल्लास को और बढ़ा दिया। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रस्तुतियों का आनंद लिया। देर रात तक चले आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय प्रतिभाओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी देखने को मिली।
दो दिनों में निखरी प्रतिभा, मंच पर दिखा आत्मविश्वास

गरबा महोत्सव के शुरुआती दो दिनों में नर्तकी बालिकाओं ने समूह में तालमेल और लयबद्धता के साथ गरबा नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद महिलाओं और बालिकाओं ने विभिन्न गीतों पर क्रमवार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक नृत्य शैली और गीतों की धुन पर एकसाथ थिरकते कदमों ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। आयोजन की खास बात यह रही कि परसवाड़ा की वेद श्री बिसेन और आभारानी घरडे ने बालिकाओं को गरबा का प्रशिक्षण दिया। कुछ दिनों के अभ्यास और उनके मार्गदर्शन में बालिकाओं ने अपनी नृत्य प्रतिभा को निखारा और मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुतियां दीं। समिति ने बालिकाओं को प्रशिक्षण देकर सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों का आभार व्यक्त किया।



समाजसेवी रामेश्वर कटरे और जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल की मौजूदगी में हुआ शुमारंभ

गुरुवार को पांच दिवसीय गरबा महोत्सव का शुभारंभ समाजसेवी रामेश्वर कटरे, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल तथा समिति अध्यक्ष जनपद सदस्य रमू धानेश्वर, कोषाध्यक्ष लारेश ब्रम्हे और गणमान्य नागरिक अनिल तिवारी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक आयोजनों के साथ स्थानीय बालिकाओं और युवतियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की।
नवरात्रि के दौरान श्रीराम मंदिर दरबार में नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गरबा महोत्सव ने श्रद्धा और भक्ति के साथ सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का संदेश दिया। आयोजन में बालिकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह भी दर्शाया कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को भारतीय लोकसंस्कृति और पारंपरिक नृत्य से जोड़ने का माध्यम बन रहे हैं।

दशहरा चल समारोह के बाद होगा प्रतिभागियों का सम्मान

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष रमू धानेश्वर ने बताया कि गरबा महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को दशहरा चल समारोह के बाद सम्मानित किया जाएगा। नर्तकी बालिकाओं और युवतियों के लिए अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। विजेताओं को शील्ड और नकद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा।
समिति का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ ही बच्चों और युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है। पुरस्कार वितरण के माध्यम से प्रतिभागियों की मेहनत और लगन को सम्मान देने का प्रयास किया जाएगा।
समिति सदस्यों ने समाली आयोजन की जिम्मेदारी

कार्यक्रम का संचालन श्रीश अवधिया ने किया। गरबा महोत्सव को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष रमू धानेश्वर सहित लारेश ब्रम्हे, कैलाश परिहार, योगेश अमूले, अनिल तिवारी, अनिल गुप्ता, प्रवीण सोनी, ओमप्रकाश चन्द्रे, रविन्द्र नागेश्वर, रवि तिवारी, रमेश पटेल, होमेश्वर ठाकरे, हर्षित चौधरी, अजय हिराने, नरेन्द्र पप्पू शरणागत, अनूप तिवारी, प्रदीप नागेश्वर, मोनू चन्द्रे, तुषार ब्रम्हे और राकेश मिश्रा सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

सहित बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक-उपासिकाओं और ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।
बुद्ध के धम्म और बाबा साहेब के विचारों को अपनाने का आह्वान

कार्यक्रम के माध्यम से भगवान गौतम बुद्ध की करुणा, प्रज्ञा, शांति एवं अहिंसा की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने

दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बुद्ध के धम्म मार्ग और बाबा साहेब के सामाजिक परिवर्तन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।
मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता गणेश गोडाने, डॉ. प्रभात घुले, संदीप गजभिये एवं मुकेश शनिचरे उपस्थित रहे। वहीं बुद्धिस्ट कमिटी के अध्यक्ष बाबूलाल गजभिये, उपाध्यक्ष निशा गोडाने, सचिव ऋतिक कामडे, बलिराम गोडाने, राजेश कामडे, कपिल पटले, सरिता गनवीर, दीपक मेथ्राम एवं विजय खोबरगडे

तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों पर चलने का संदेश दिया गया। साथ ही बुद्ध के पंचशील और बाबा साहेब की 22 प्रतिज्ञाओं के महत्व को समझते हुए समाज में शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।
धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि अन्याय, भेदभाव और अंधविश्वास से मुक्त होकर ज्ञान, विवेक एवं मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ग्राम सोनपुरी में आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक परिवर्तन और समतामूलक समाज के निर्माण के संकल्प को दोहराया।

मीड़ी में भागवत कथा सुनने पहुंचे विधायक मधु भगत भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ, धार्मिक झांकियों ने मोहा मन..



19 अक्टूबर को हवन-पूजन और 20 को होगा महाप्रसाद वितरण

हर्ष पाण्डेय, जगप्रेरणा परसवाड़ा।
ग्राम भीड़ी में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां नगर भवानी दुर्गात्सव समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा में परसवाड़ा विधायक मधु भगत शामिल हुए।

कथावाचक शास्त्री सुदर्शन उपाध्याय के सुखारविंद से भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत 11 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई थी। कथा के दौरान प्रस्तुत की जा रही आकर्षक धार्मिक झांकियां

श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।
कलश यात्रा से हुई शुरुआत, 19 तक चलेगी कथा

आयोजन के तहत 11 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कलश यात्रा में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कथा के माध्यम से धर्म, भक्ति, सदाचार और संस्कारों का संदेश दिया जा रहा है। धार्मिक प्रसंगों पर आधारित झांकियों और भजन-कीर्तन से गांव का माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

विधायक सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल

भागवत कथा में विधायक मधु भगत के साथ

जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पंड्रे, विधायक प्रतिनिधि सुधीर पटेल, बलराम उयके और सरपंच प्रतिनिधि रमेश भुवें उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश सोनी, उपाध्यक्ष राजू सोनी, महामंत्री सीताराम गुप्ता, सचिव धर्मेन्द्र पटेल, सहसचिव मोसम चौधरी और कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

19 को हवन-पूजन, 20 को महाप्रसाद

समिति के अनुसार, 19 अक्टूबर को हवन, पूजन एवं अभिषेक किया जाएगा। वहीं 20 अक्टूबर को शाम 6 बजे महाप्रसाद वितरण होगा। समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से सपरिवार पहुंचकर कथा श्रवण करने और धार्मिक आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है।

कामथी में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा शारदेय नवरात्र पर्व

जगप्रेरणा खमरिया।
लालबर्वा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत पाण्डेवाड़ा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शारदेय नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। देवी शक्ति मां दुर्गा की भक्ति का पर्व शारदेय नवरात्र नगर व क्षेत्र के मंदिरों व घरों में ज्योति कलशों की स्थापना कर व ज्वारे बोंकर भक्तों द्वारा आस्था और श्रद्धा के साथ सादेगीपूर्वक मनाया जा रहा है। वहीं आज पंचमी पर्व पर भक्तों द्वारा विशेष पूजा कर ध्वजा चढ़ाई जायेगी। ग्रामीण अंचलों के साथ साथ नगर में भी भक्तों द्वारा जस भजन गकर माता रानी की स्तुति की जा रही है। सुबह मंदिरों में भक्तों द्वारा जल चढ़ाने के अलावा सुबह-शाम आरती गाकर मातारानी के जयकारे लगाकर प्रार्थना भी की जा रही है। शारदेय नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर दैवीय स्थलों की ओर जगत जननी आदि-शक्ति के दर्शन करने श्रद्धालु भक्त आस्था का सैलाब लेकर उमड़ रहे हैं। मंदिरों में सुबह से



प्रारंभ हुआ पूजन अर्चन का सिलसिला देर शाम तक चलते रहता है। वहीं नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजन समितियों द्वारा सुबह शाम आराधना कर आरती पूजन का क्रम सतत किया आ रहा है। साथ ही साथ रोजाना विविध भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न कराये जा रहे हैं जिसके चलते कार्यक्रमों स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ बनी रहती है और मेले का नजारा बना रहता है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील बैहर जिला बालाघाट
॥ ईस्तेहार ॥
रा.प्र.क./अ-20 (1) वर्ष 2025-26
मौजा बैहर नजूल प.ह.न. - 17/1
राजस्व निरीक्षक मण्डल बैहर

एलट द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका नगर परिषद बैहर जिला बालाघाट के द्वारा प.ह.न. 17/1 मौजा बैहर नजूल रा.नि.मं. बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 35 रकबा 0.0890 हे. मे से 0.067 हे., ख.न. 46 रकबा 0.3540 हे. मे से 0.237 हे., ख.न. 54 रकबा 0.0200 हे., ख. न. 71 रकबा 0.0810 हे... ख.न. 17/1 रकबा 0.0700 हे., ख.न. 21 रकबा 0.2350 हे., ख.न. 125/1 रकबा 3.6420 हे., ख.न. 128 रकबा 0.4330 हे. ख.न. 131/6 रकबा 0.0240 हे., ख.न. 131 /7 रकबा 0.0770 हे., ख.न. 112 रकबा 0.5060 हे., ख.न. 115 / 2 रकबा 0.0040 हे., ख.न. 115/3 रकबा 0.0120 हे. जनपद सना नजूल की भूमि को नगर परिषद बैहर द्वारा नगर परिषद बैहर को हस्तांतरित किये जाने की मांग की गई है। उपरोक्त खसरा नम्बर की भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति विशेष, संस्था को दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह दिनांक 27/10/2026 तक मेरे न्यायालय मे उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी प्रकार के दावा एवं आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
तहसील बैहर

जहां सोने, चांदी, हीरे जड़ित
आभूषणों की हर कृति में मिलता है..

समय का स्पर्श और हर
आभा में वंश की गरिमा..

परंपरा और मरसे के 38 साल

शांति ज्वेलर्स..

नया सराफा,
मेन रोड, बालाघाट

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

ग्रामीण

11

शनिवार 17 अक्टूबर 2026

गोंदिया भंडारा

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखादूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जमीन बचाओ संघर्ष समिति ने राज्यसभा सांसद पफुल पटेल को सौंपा ज्ञापन..

रेलवे भू-अधिग्रहण मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग..

जगप्रेरणा गोरेगांव।
तुमखेडा (बुज.), डव्वा, गणखेरा, हिरडामाली, गोरेगांव, खमारी, दागोटाला, तुमखेडा (खुर्द), कारंजा और हलबीटोला – इस परिसर के किसानों



जिला पंचायत सदस्य पंकजभाऊ रहांगडाले व पूर्व विधायक खोमेश्वरभाऊ रहांगडाले और बड़ी संख्या में महिला व पुरुष किसानों के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने सांसद महोदय को जमीनी हकीकत से अवगत कराया। इस दौरान आरोप लगाया गया कि रेलवे प्रशासन द्वारा किसानों को कोई भी उचित जानकारी दिए बिना, उपजाऊ खेती की जमीन को जबरन अधिग्रहित किया जा रहा है। शिष्टमंडल ने बताया कि इन सभी गांवों के किसान पूरी तरह से खेती पर निर्भर हैं। जमीन चली गई तो उनके परिवारों पर भुखमरी की नौबत आ जाएगी। प्रशासन किसानों

की आपत्तियों को नजरअंदाज कर रहा है। ज्ञापन स्वीकार करने के बाद माननीय सांसद प्रफुल पटेल जी ने शिष्टमंडल को आश्वासन दिया कि, 'किसानों को न्याय दिलाने के लिए मैं पूरी ताकत से प्रयास करूंगा। किसी भी किसान पर अन्याय नहीं होने दूंगा।' तत्काल उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर सर, गोंदिया को फोन कर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

'एकजुट हो, संघर्ष करो, जमीन बचाओ' के नारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गोंदिया जिले में बोरवेल खुदाई पर प्रतिबंध..

जल संकट की आशंका के मद्देनजर जिलाधिकारी का महत्वपूर्ण आदेश..

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई..

सरकारी जल संकट निवारण कार्यों को छूट, निजी बोरवेल खुदाई पर अस्थायी रोक..

जगप्रेरणा आमगांव।
गोंदिया जिले में आगामी दिनों में संभावित जल संकट से निपटने और भूजल स्तर का संरक्षण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नए बोरवेल और नलकूपों की खुदाई पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश जिलाधिकारी मंदार पत्की ने 15 अक्टूबर 2026 को जारी किया है। इस निर्णय के तहत निजी बोरवेल की खुदाई पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले के सभी आठ तहसीलों में लागू होगा आदेश..

जिले में संभावित जल संकट, भूजल स्तर पर बढ़ते दबाव और सार्वजनिक पेयजल की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नए बोरवेल और नलकूपों की खुदाई पर रोक लगाई गई है। प्रतिबंध की अवधि में यदि कहीं प्रतिबंधित खुदाई का कार्य जारी पाया जाता है, तो उसे तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश को गोंदिया जिले की सभी आठ तहसीलों में लागू किया जाएगा।

सरकारी जल संकट निवारण कार्यों को छूट..

सरकारी विभागों के माध्यम से सार्वजनिक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे आवश्यक कार्यों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण तथा स्थानीय स्वशासी संस्थाओं द्वारा जल संकट निवारण के लिए किए जाने वाले आवश्यक कार्य इस प्रतिबंध के दायरे में नहीं आएंगे। हालांकि, संबंधित कार्यों के लिए सक्षम प्राधिकारी की प्रशासनिक मंजूरी और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होना अनिवार्य रहेगा।

आदेश का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई..

प्रतिबंधित क्षेत्र में बोरवेल की खुदाई होते पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल काम बंद कराने तथा घटनास्थल का पंचनामा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही घटनास्थल के छायाचित्र लेने और संबंधित मालिक, ठेकेदार एवं मशीन संचालक की जानकारी दर्ज करने को कहा गया है।

आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 51, महाराष्ट्र भूजल अधिनियम तथा अन्य लागू कानूनों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व एवं स्थानीय प्रशासन पर जिम्मेदारी..

इस आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उपविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों,

पुलिस विभाग, स्थानीय स्वशासी संस्थाओं तथा भूजल सर्वेक्षण एवं विकास एजेंसी के अधिकारियों को सौंपी गई है। नगर परिषद, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों को नागरिकों के बीच आदेश के संबंध में जनजागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी क्षेत्र में प्रतिबंधित बोरवेल खुदाई का कार्य पाया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित तहसीलदार को देने के लिए भी कहा गया है।

आदेश का प्रचार-प्रसार और नियमित समीक्षा..

जिले के सभी तहसीलदारों और संबंधित स्थानीय स्वशासी संस्थाओं को आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के क्रियान्वयन की प्रारंभिक रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। इसके बाद नियमों के उल्लंघन तथा की गई कार्रवाई की साप्ताहिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

भूजल संरक्षण की दिशा में प्रशासन का महत्वपूर्ण कदम..

भूजल भंडार का संरक्षण करना, नागरिकों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और भविष्य में संभावित जल संकट की गंभीरता को कम करना इस निर्णय का प्रमुख उद्देश्य है। जिला प्रशासन के इस कदम से भूजल संरक्षण को बढ़ावा मिलने और जल संसाधनों के उचित प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है। नागरिकों से भी प्रशासन के आदेश का पालन करने तथा भूजल संरक्षण के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की गई है।

आमगांव के मुख्य मार्ग पर बिजली के डीपी और खंभे दे रहे हादसों को न्योता..

रिसामा से शिवाजी चौक, लांजी मुख्य मार्ग के अवरोध दूर करने की नागरिकों की मांग, विद्युत विभाग और नगर परिषद से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा..

जगप्रेरणा आमगांव।
आमगांव शहर के रिसामा से शिवाजी चौक, लांजी मुख्य मार्ग पर बिजली के खंभे और विद्युत वितरण रोहित्र (डीपी) यातायात में बाधा बन रहे हैं। इन खंभों और

डीपी को अब तक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित नहीं किए जाने से वाहन चालकों और पैदल चलने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर नागरिकों में नाराजगी है। किसी गंभीर दुर्घटना से पहले संबंधित विभागों द्वारा तत्काल उपाय किए जाने की मांग की जा रही है।

मुख्य मार्ग पर बिजली के खंभे और डीपी से परेशानी..

आमगांव शहर से गुजरने वाले रिसामा से शिवाजी चौक, लांजी मुख्य मार्ग पर दिनभर नागरिकों और विभिन्न प्रकार के वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर सड़क के किनारे स्थित बिजली के खंभे और डीपी यातायात के लिए बाधा बन रहे हैं। जिन स्थानों पर सड़क के किनारे पर्याप्त जगह नहीं है, वहां इन खंभों और डीपी के कारण वाहनों को निकलने में



कठिनाई होती है। दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान इन अवरोधों से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं, पैदल चलने वाले नागरिकों को भी सुरक्षित आवागमन में परेशानी होती है। ऐसे में संबंधित विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार और विद्युत खंभों व डीपी को स्थानांतरित करने की कार्रवाई करना जरूरी है।

दुर्घटना होने से पहले करें उपाय

शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात सुचारु रखना और नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी

मनोहरभाई पटेल महाविद्यालय में वाचन प्रेरणा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया..

जगप्रेरणा सालेकसा।
मनोहरभाई पटेल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सालेकसा में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर



प्राचार्य डॉ. बी. के. जैन के मार्गदर्शन में वाचन प्रेरणा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथालय विभाग की ओर से 'चरित्र, आत्मचरित्र एवं प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शनपरक पुस्तकों की प्रदर्शनी' आयोजित की गई।

विद्यार्थियों को महान व्यक्तित्वों के जीवन एवं कार्यों से परिचित कराना, उनके प्रेरणादायी विचारों से अवगत कराना तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी साहित्य उपलब्ध कराना इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य था। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. के. जैन के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उन्होंने वाचन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से

नियमित रूप से पढ़ने की आदत विकसित करने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में रखी गई विभिन्न पुस्तकों को विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक देखा और सकारात्मक प्रतिसाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अधिन खंडेकर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शनी ग्रंथपाल श्री अरविंद भगत ने किया। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षक-कर्मचारियों ने इस उपक्रम में सहभागिता दर्ज कराई। विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण प्रतिसाद और सभी के सहयोग से यह उपक्रम सफल रहा। कार्यक्रम का आयोजन ग्रंथपाल श्री अरविंद अंबादास भगत एवं ग्रंथालय सलाहकार समिति की ओर से किया गया।

नवरात्रि पर डोंगरगढ़ पदयात्रियों की सेवा में जुटे बजरंग दल के कार्यकर्ता



जगप्रेरणा आमगांव।
नवरात्रि पर्व के दौरान माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ की ओर पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की सेवा की गई।

परंपरा के तहत बजरंग दल, आमगांव की ओर से सेवा कार्य किया गया। बजरंग दल कार्यालय, आमगांव में विभिन्न क्षेत्रों से गुजर रहे पदयात्रियों की सेवा की गई। तुमसर, सिहोरा, गोंदिया शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र, रावणवाड़ी, काटो, बिरसोला, चांदपुर और गोबरवाही सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु माँ के दर्शन के लिए पदयात्रा पर निकले हैं। इस दौरान पदयात्रियों की

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

लापरवाही से वाहन चलाने से हुई चालक की मौत तो विलनर जख्मी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के डुगीपार पुलिस थाना अंतर्गत ॲक्सीडेंट मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 14/ 10/ 2026 के रात 10 बजे के दरम्यान राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 सौंदड मे नागनाथ संजय कराळे उम्र 36 वर्ष निवासी तिवटघाट ने अपना आयसर वाहन लापरवाही से चलाकर कटेनर को पिछे से ठोस मारी गंभीर जख्मी होने से उसकी मौत हो गई, क्लिनर जख्मी होने से फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे डुगीवार मे अपराध क्रमांक 534/2026 धारा 281,125, अ,125, बी,106,1, भान्यास सहकलम 184, मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जाच पोहवा जगेश्वर उईके 1120 पोस्टे डुगीपार कर रहे है।

दो नशेडी गांजा पिते पकड़ये मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत गांजा पिते पकड़ाने का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 14/ 10/ 2026 के रात 9 बजे के दरम्यान गणेशनगर मे दो आरोपी अमित डोंगेरे, शुभम मिश्रा दोनो गणेशनगर मे गांजा पी रहे थे। फर्यादी ने पंचो के समक्ष उनके पास से चिलम, एक माचिस, एक सफेद कपडापट्टी कुल 21 रुपये का माल जस कर दिये बयान पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 855/2026 धारा 27 अमली पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत अपराध दर्ज कर जांच पोहवा योगेश डिबे 292 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

शवास नली मे दुध अटकने से 3 दिन के बच्चे की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 14/ 10/ 2026 के रात 9 बजे के दरम्यान नवजात बालक मेथा रविन्द्र फुंडे उम्र 3 दिन निवासी कोटरा के शवासनली मे दुध अटकने से उसकी मौत हुई है, फर्यादी डॉ सुधिर कालेंकर तर्फे संजय अटाले वार्ड बॉय द्वारा लाये लिखीत मेमो पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 44/2026 धारा 194 भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाच पोहवा बोरकर 1379 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

रुशी

कलेक्शन

मो. 9399952509

ब्यूटी पार्लर

मो. 9399952509

घर ले जाकर की 3 आरोपियों ने मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त

जानकारी अनुसार दिनांक 15/10/2026 के दोपहर 12 बजे के दरम्यान मुंडीपार मे फर्सादी धरमेन्द्र भाऊलाल चौधरी उम्र 37 वर्ष निवासी मुंडीपार अपने गाव के किराना दुकान के पास बैठा था। जहा तिनो आरोपी ने उसको उसीके घर ले गये और गालीगलोज कर लाठीसे सर पर

मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 496/2026 धारा 118, 1, 352, 351, 2, 3, 2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाच सफो अनिल पारधी 743 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

